दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

तुम्बाड 2 की रिलीज डेट आउट, करना ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार ,16 जुलाई 2026
वर्षः 13 अंक : 207 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राम मंदिर चोरी पर योगी का विपक्ष को आइना: आस्था पर राजनीति करने वाले पहले क्या करते थे ?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्किल डेवलपमेंट मिशन और ITI के तहत प्रशिक्षित युवाओं के सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने इस दौरन कहा कि साझा भविष्य तभी संभव है जब अवसर साझा किए जाएं। अवसर तब साझा किए जाते हैं जब सरकार की सोच वैसी हो। हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति है। मैं प्रध ानमंत्री मोदी का आभारी हूं कि उन्होंने 2014 में पदभार संभालने के बाद देश में कौशल विकास मंत्रालय की स्थापना की। साझा भविष्य तब बनता है जब सरकार का दृष्टिकोण ऐसा हो। योगी ने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, 2017 से पहले, राज्य सरकार खुद राज्य के लिए एक बुरा शगुन बन गई थी। उस समय, युवाओं के लिए शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई थी, और कौशल विकास के लिए कोई प्रावधान नहीं थे। असुरक्षा का माहौल था। सरकारी नौकरियों पर एक ही परिवार का एकाधिकार था। विपक्ष पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले... सरकारी नौकरी पर एक खानदान का अधिकार था। नौकरी निकलती नहीं थी, निकल गई तो चाचा–भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए भी निकल पड़ती थी। उन्होंने कहा कि यूपी का नौजवान यूपी में काम पाए, यह एक कल्पना थी। लेकिन अब यह साकार हो रही है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम

मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना से हम जैसे राम भक्तों की आस्था को ठेस पहुंची है लेकिन इस मामले के बहाने अयोध्या और राम जन्मभूमि को बदनाम करना उचित नहीं है। 'इंडिया टुडे समूह' के कार्यक्रम ''पंचायत आज तक'' को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने पुराने रिकॉर्ड के बावजूद आस्था से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या की घटना ने निश्चित रूप से हम सभी की, हम जैसे राम भक्तों की आस्था को चोट पहुंचाई है। 'राम मंदिर ट्रस्ट' एक स्वतंत्र संस्था है और सरकार को इसके मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। ट्रस्ट ने जांच का अनुरोध किया और राज्य सरकार ने एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन किया। जैसे ही एसआईटी की रिपोर्ट आई, कार्रवाई शुरू कर दी गई। उन्होंने कहा कि चोरी की घटना में कथित रूप से शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उनकी सहायता करने के आरोप में दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। योगी ने कहा कि गिरफ्तारी के साथ–साथ नैतिक आधार पर दो इस्तीफे भी हुए हैं, जिनमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन इस घटना का इस्तेमाल अयोध्या, राम जन्मभूमि और हिंदुओं की आस्था को बदनाम करने के लिए करना उचित नहीं है। सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अब आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने पहले धार्मिक परंपराओं के खिलाफ काम किया था। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले की अवधि को याद करें। समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान, कांवड़ यात्रा, रामनवमी जुलूस, जन्माष्टमी समारोह और दुर्गा पूजा पंडालों की अनुमति नहीं थी।

राम मंदिर चदे की चोरी पर एसआईटी रिपोर्ट

साख बचाने के लिए दबाया गया मामला, टिन्नू यादव निकला मुख्य विलेन?

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है और जल्द ही इसके नतीजे सौंपे जाने की उम्मीद है। SIT की समय–सीमा मंगलवार को खत्म हो रही है और रिपोर्ट तब दाखिल किए जाने की संभावना है जब इसके निष्कर्षों और सिफारिशों को अंतिम मंजूरी मिल जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, इस रिपोर्ट में न सिर्फ राम मंदिर दान में हुई कथित चोरी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी, बल्कि उन अधिकारियों की भी पहचान की जाएगी जिनकी लापरवाही इस घटना की वजह बनी हो सकती है।

एसआईटी रिपोर्ट में क्या–क्या सामने आ सकता है

सूत्रों ने बताया कि SIT ने राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के आरोपी लोगों और इस मामले को संभालने में लापरवाही बरतने वाले लोगों की अलग–अलग पहचान की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कथित चोरी इसलिए हो पाई क्योंकि राम मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच हुए समझौते के तहत तय प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने यह भी बताया है कि कथित चोरी की जानकारी होने के बावजूद, काफी समय तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राम मंदिर ट्रस्ट की साख को नुकसान पहुंचने के डर से मामले को दबाने की कोशिशें की गईं।

टिन्नू यादव की भूमिका पर सवाल

सूत्रों ने यह भी बताया कि SIT ने टिन्नू यादव पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता को लेकर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसी जरूरत से ज्यादा निर्भरता की वजह से कथित अनियमितताएं बिना किसी रोक–टोक के जारी रहीं। खबरों के मुताबिक, SIT ने यह भी पाया है कि कथित तौर पर चोरी किए गए पैसे का कुछ हिस्सा टिन्नू यादव और मामले के अन्य आरोपियों से बरामद किया गया था। उम्मीद है कि जांच के नतीजों और सुझावों को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने के बाद रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

जांच से मिली शुरुआती जानकारी

सूत्रों के अनुसार, आरोपियों से हुई शुरुआती पूछताछ से पता चला था कि कथित चोरियां सुनियोजित तरीके से की गई थीं। जांचकर्ताओं को बताया गया कि भूमिकाएं पहले ही तय कर ली गई थीं, जैसे कि कौन दान पेटियों से नकदी निकालेगा और कौन CCTV कैमरों के सामने खड़े होकर दृश्य को बाधित करेगा। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान देखे गए CCTV फुटेज से इनमें से कुछ दावों की पुष्टि होती दिखी, जिसमें कुछ आरोपी नकदी संभालते समय कथित तौर पर नोट छिपाते हुए देखे गए।

जम्मू–कश्मीर के राजौरी की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में मिला स्थान

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। यहाँ की प्रसिद्ध और सदियों पुरानी भैरव यात्रा को आधि ाकारिक तौर पर भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृ तिक विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है। इस गौरवशाली मान्यता पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजौरी प्रशासन और जम्मू–कश्मीर के संस्कृति विभाग को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी है और इसे गौरव का क्षण बताया है। राजौरी की भैरव यात्रा एक प्राचीन परंपरा है, जो हर साल होली के त्योहार से ठीक पहले सीमावर्ती जिले के मुख्य बाजारों में एक भव्य शोभायात्रा के रूप में निकाली जाती है। भगवान काल भैरव को समर्पित यह जीवंत उत्सव क्षेत्र की गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृ तिक जड़ों को अपने भीतर समेटे हुए है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए इसे राजौरी के लिए गर्व का क्षण बताया।

ब्रिटेन–भारत एफटीए लागू: 48 बिलियन के व्यापारिक लक्ष्य के साथ शुरू हुआ द्विपक्षीय आर्थिक दोस्ती का नया Golden Era

नई दिल्ली। ब्रिटेन–भारत मुक्त व्यापार समझौता बुधवार को लागू हो गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, न्ज्ञ और भारत के बीच कुल व्यापार, जो 2025 में 48 बिलियन का था, उसमें तुरंत बढ़ोतरी होने वाली है। अब दोनों देशों के ग्राहक बेहतरीन ब्रिटिश और भारतीय उत्पादों और सेवाओं को सस्ते, तेज और आसान तरीके से पा सकेंगे।

इस ऐतिहासिक मौके का जश्न मनाने के लिए, ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट से चुनिंदा ब्रिटिश सामानों का एक खास पैकेज मुंबई में ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशन पहुँचा। इस पैकेज को दक्षिण एशिया के लिए ट्रेड कमिश्नर हरजिंदर कांग और भारत में ब्रिटिश एयरवेज के जनरल मैनेजर डेविड राइट ने सबके सामने पेश किया। यह दोनों देशों के लिए इस समझौते से खुले नए मौकों की शुरुआत का संकेत था। इस पैकेज में न्ज्ञ से आए ऐसे सामान शामिल थे जिन पर कम टैरिफ का फायदा मिला है, जैसे कॉस्मेटिक्स, खाने–पीने की चीजें और शराब। दक्षिण एशिया के लिए ट्रेड कमिश्नर और पश्चिमी भारत के लिए ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर, हरजिंदर कांग ने कहारू ष्यह न्ज्ञ–भारत साझेदारी के लिए एक बहुत अहम मोड़ है। जैसे ही यह ऐतिहासिक ट्रेड डील लागू हो रही है, इससे बेहतर क्या हो सकता है कि ब्रिटिश एयरवेज की मदद से आज सुबह भारत आने वाली न्ज्ञ की शुरुआती उड़ानों में से एक में कुछ खास ब्रिटिश उत्पाद आएं। हमारी यह ऐतिहासिक ट्रेड डील इस तरह से बनाई गई है कि पहले दिन से ही कारोबारियों और ग्राहकों को सस्ते, तेज और आसान व्यापार का फायदा मिले। हम सभी इसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्साहित हैं।

भारत में ब्रिटिश एयरवेज के

पीएम मोदी कैबिनेट फैसला: 2.19 लाख करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

सेमीकॉन 2.0 और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा दांव

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने सात बड़े फैसलों को मंजूरी दी, जिनमें सेमीकॉन 2.0, मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (डच्दै) और यूरिया–2026 के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी के साथ–साथ इंफ्रास्ट्रक्चर और रेलवे प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। मंजूर किए गए प्रोजेक्ट्स का कुल खर्च 2,19,353 करोड़ रुपये है। कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सात बड़े फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले दो फैसले वाराणसी (काशी) में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के नए तरीके से जुड़े हैं। मंत्री के अनुसार, सरकार ने वरुण नदी के किनारे 10,998 करोड़ रुपये की लागत से 6ध्4–लेन एलिवेटेड कॉरिडोर और गंगा नदी के किनारे 14,448 करोड़ रुपये की लागत से

6–लेन एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है। मुख्य घोषणाओं में, कैबिनेट ने 1,27,500 करोड़ रुपये के खर्च के साथ सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी। यह मंजूरी सरकार का एक अहम फैसला है। कैबिनेट ने 62,500 करोड़ रुपये के बजट के साथ मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (डच्दै) को भी मंजूरी दी। यह स्कीम सेमीकॉन 2.0 के साथ घोषित मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े अहम फैसलों में से एक है। एक और अहम फैसले के बारे में बताते हुए वैष्णव ने कहा कि सरकार ने यूरिया–2026 के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी का मकसद भारत को यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। यह फैसला एक पॉलिसी मंजूरी है और कैबिनेट के फैसलों की सूची में इसके लिए कोई वित्तीय आवंटन शामिल नहीं है।

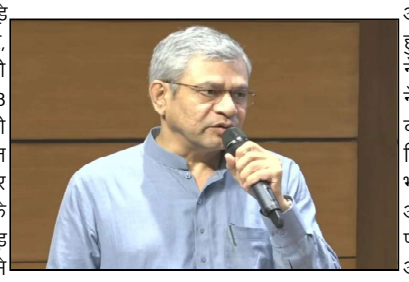

इसके अलावा, कैबिनेट ने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के दो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी। इसने 2,542 करोड़ रुपये की लागत से पारादीप–हरिदासपुर रेलवे लाइन को डबल करने की मंजूरी दी। इसने डंगोआपोसी और राजखरसवां के बीच चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी दी, जिसमें 1,365 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। उन्होंने कहा कि आज सात बड़े फैसले लिए गए। पहले दो फैसले वाराणसी (काशी) में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के नए तरीके से जुड़े हैं। तीसरा और चौथा फैसला सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 (सेमिकॉन 2.0) को मंजूरी देने से संबंधित है। चौथा फैसला मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मंजूरी देना है।

सोनम वांगचुक की बिगड़ती हालत पर दिल्ली हाई कोर्ट में पीआईएल

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के लिए तुरंत मेडिकल मदद की मांग की गई है। वांगचुक, कॉकरोच जनता पार्टी के उस विरोध–प्रदर्शन के समर्थन में जंतर–मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं, जो कथित NEET परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ किया जा रहा है। लाइव–लॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार, वकील राकेश कुमार सैनी ने यह याचिका दायर की है। इसमें केंद्र और दिल्ली सरकार से मांग की गई है कि वांगचुक को तुरंत किसी सरकारी अस्पताल में शिफ्ट किया जाए, उनका इलाज किया जाए और अगर जरूरत हो, तो उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरदस्ती लिक्विड डाइट दी जाए। बुधवार को ब्श्रच का विरोध ा–प्रदर्शन 25वें दिन में और वांगचुक की भूख हड़ताल 18वें दिन में प्रवेश कर गई। भूख हड़ताल का 18वां दिन: 59 साल के शिक्षक और क्लाइमेट एक्टिविस्ट 28 जून को ब्श्रच के विरोध ा–प्रदर्शन में शामिल हुए थे और तब से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। ब्श्रच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और मई में छम्म्ज पेपर लीक के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों के लिए ध्1 करोड़ के मुआवजे की मांग कर रहा है। ब्श्रच के फाउंडर अभिजीत दिपके, वांगचुक की सेहत के बारे में लगातार अपडेट दे रहे हैं। मंगलवार को एक अपडेट में उन्होंने बताया कि उपवास शुरू करने के बाद से एक्टिविस्ट का वजन 8.4 किलोग्राम से ज्यादा कम हो गया है, उनके शरीर की मांसपेशियां कम हो रही हैं और उनका ब्लड प्रेशर गिरकर 109ध्/70 हो गया है। एक्स पर वांगचुक की हालत के बारे में बताते हुए दिपके ने लिखा, ष्उनकी मांसपेशियां कम होने लगी हैं और उन्हें बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है। बाकी सभी लोगों की तरह, मैंने भी उनसे उपवास खत्म करने की गुजारिश की।

मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी

संगठन ने संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन, यानी 20 जुलाई को चलो संसद मार्च निकालने की भी घोषणा की है और समर्थकों से मिस्ड–कॉल कैंपेन के जरिए रजिस्टर करने की अपील की है। हालांकि बुधवार को यह याचिका चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की डिवीजन बेंच के सामने लिस्ट की गई थी, लेकिन भ्ज को पता चला है कि वकीलों के काम से दूर रहने की वजह से सुनवाई गुरुवार तक टाल दी गई है। याचिका में खास तौर पर अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे ष्...उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाएं और उन्हें लिक्विड डाइट के जरिए जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और मिनरल जबरदस्ती दें, जो इंसानी शरीर के जिंदा रहने के लिए जरूरी हैं और साथ ही वांगचुक की जान और सेहत की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

राहुल की सीक्रेट विदेश यात्राएं!

बीजेपी ने पूछा- आखिर किससे मिलते हैं भारत के नेता प्रतिपक्ष?

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने बुधवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से पारदर्शिता को लेकर चिंता जताते हुए उनके विदेशी दौरों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। ग पर एक पोस्ट में केशवन ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी लंबी विदेश यात्राओं से ब्रेक लेकर आखिरकार भारत आने का फैसला किया है। लेकिन उनकी विदेश यात्राओं को लेकर बरती जाने वाली गोपनीयता वाकई गंभीर चिंता का विषय है। राहुल गांधी पारदर्शिता और जवाबदेही से बचने वाले व्यक्ति हैं। बीजेपी नेता ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को अपनी विदेश यात्राओं के बारे में जनता को सफाई देनी चाहिए।

केशवन ने लिखा कि वह लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, इसलिए हमारे लोगों और देश को उनकी गुपचुप यात्राओं के बारे में पारदर्शिता की उम्मीद करने का अधिकार है।

इन यात्राओं को लेकर बना रहस्य गंभीर संदेह और शक पैदा करता है कि वह कहाँ जा रहे थे, किससे मिल रहे थे और उनका एजेंडा क्या था? केशवन ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ विदेश यात्राओं के दौरान राहुल गांधी को ऐसे लोगों के साथ देखा गया जिन्हें उन्होंने भारत–विरोधी और भारत से नफरत करने वाले बताया। उन्होंने दावा किया कि ये सवाल इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि कई बार जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो उन्हें ऐसे लोगों और ताकतों के साथ घूमते–फिरते देखा गया है जो खुलेआम भारत–विरोधी हैं और भारत से नफरत करते हैं, तथा भारत–विरोधी एजेंडा फैलाते हैं। राहुल गांधी अक्सर कहते हैं श्डरो मतश्। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए यह सवाल उठाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इन दौरों की जानकारी देने से क्यों हिचकिचा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि अगर छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी विदेश दौरों की जानकारी बताने से क्यों डर रहे हैं?

नोएडा के मामूरा में ई–वाहन चार्ज करते समय लगी भीषण आग, दो लोगों की मौत

नोएडा । मामूरा गांव में बुध ावार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एक इमारत के भूतल पर इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करने के दौरान अचानक आग लग गई। इस घटना में ध ुएं की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि राहत और बचाव कार्य के दौरान 50 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया है और कुछ अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि घटना थाना फेज–3 क्षेत्र के मामूरा गांव की गली नंबर–2 में स्थित एक मकान में हुई। दोपहर के समय जब भूतल पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज किया जा रहा था, तभी उसमें से निकली एक चिंगारी ने आग पकड़ ली।

जिलाधिकारी के अनुमोदन से सहकारी समितियों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक आवंटित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी के अनुमोदन से खरीफ अभियान–2026 के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के आधार पर जनपद की सहकारी समितियों एवं इफको केन्द्रों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक का आवंटन स्वी.त किया गया है। इसके अंतर्गत 70 सहकारी समितियों को कुल 1017.00 मीट्रिक टन यूरिया तथा 73 सहकारी समितियों एवं इफको के 12 केन्द्रों को कुल 1155.00 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक आवंटित किया गया है। स्वी.त आवंटन के

अनुरूप पीसीएफ द्वारा संबंधित समितियों एवं उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर उर्वरक भेजने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।किसान उचित मूल्य पर खरीदें उर्वरक, उपलब्धता की लें जानकारी जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त किसान बंधुओं से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा उर्वरक बिक्री केन्द्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित एवं उचित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों को समयबद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिससे खरीफ फसलों की बुवाई एवं उत्पादन प्रभावित न हो।कालाबाजारी एवं ओवररेटिंग पर होगी सख्त कार्रवाई जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा .त्रिम अभाव उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी किसान को ऐसी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो वह तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9198788248 एवं 9451637073, जिला .षि अधिकारी कार्यालय के मोबाइल नंबर 9452165778 अथवा अपर जिला .षि अधिकारी के मोबाइल नंबर 8881173660 पर सूचना दें। प्राप्त शिकायतों पर प्रशासन द्वारा तत्काल जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नई हिंदुआरी में 1.60 करोड़ से बनेगी आत्मनिर्भर वृहद गौशाला, डीएमएफ फंड से मिली मंजूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए सोनभद्र जिला प्रशासन ने नई हिंदुआरी में डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड से 1.60 करोड़ रुपये की लागत से आत्मनिर्भर वृहद गौशाला के निर्माण को स्वी.ति प्रदान की है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। प्रस्तावित गौशाला में गोवंश के सुरक्षित आवास के लिए दो आधुनिक शेड बनाए जाएंगे, जिनके निर्माण पर 82.88 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा वर्षभर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 12.67 लाख रुपये की लागत से चारा भंडारण कक्ष का निर्माण कराया जाएगा। गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से परिसर में लगभग 15 लाख रुपये की लागत से वर्मी कम्पोस्ट यूनिट भी स्थापित की जाएगी। गोबर से तैयार होने वाली जैविक खाद की बिक्री से होने वाली आय का उपयोग गोवंश के चारा, पेयजल, उपचार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर किया जाएगा, जिससे गौशाला का संचालन आर्थिक रूप से सु.ढ़ और आत्मनिर्भर बन सके।

जिलाधिकारी ने बताया कि गौशाला में गोवंश के लिए स्वच्छ पेयजल, नियमित टीकाकरण, पशु चिकित्सा सुविधा और समुचित देखभाल की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना गोवंश संरक्षण के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

किसान दिवस में डीएम ने सुनी किसानों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री बलराम सिंह की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में उप कृषि निदेशक द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्त को पढ़ा गया, जिसमें अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन ने किसान दिवस में उपस्थित किसानों की समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी ने किसानो से कहा कि आप लोगो की जो भी शिकायते है उसे लिखित में दे जिससे समस्याओ का निस्तारण कराया जा सके। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन ने किसान दिवस में सभी सम्बंधित अधिकारियों को स्वयं उपस्थित होने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने किसानो को किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, बिजली बिल, दवा व बीज तथा सिंचाई से सम्बंधित समस्याओं का निस्तारण कराने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थियों के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि प्रेषित कराने का निर्देश दिया गया। सभी अधिकारीगण किसानों की समस्याओं का शत प्रतिशत निस्तारण करायें। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन ने सम्बन्धित को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को संबधित अधिकारियों को प्रेषित करके उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराये। भारत सरकार/उ0प्र0 सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए। जिला कृषि अधिकारी द्वारा बैठक में आए हुए समस्त अधिकारीगण व सम्मानित कृषको को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय, जिला उद्यान अधिकारी विमलकान्त, सहा0 निदेशक मत्स्य, अधि0 अभि0 विद्युत नौगढ़ ज्ञान प्रकाश तथा किसान यूनियन के समस्त पदाधिकारी एवं किसान व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय न्यास अधिनियम–1999 के तहत दिव्यांगजनों को मिलेगी योजनाओं का बेहतर लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांगजनों के अधिकारों की सुरक्षा तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा कानूनी अभिभावक प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पांडेय भी उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय न्यास अधिनियम,1999 के अंतर्गत रोहित नन्दन तिवारी एवं केदारनाथ पाण्डेय को संबंधित मानसिक दिव्यांगजनों का विधिक अभिभावक नियुक्त करते हुए कानूनी अभिभावक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन को उसके अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं सुगमता से प्राप्त हो। कानूनी अभिभावक की नियुक्ति से ऐसे दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा सुनिश्चित होगी तथा उनके आवश्यक कार्यों का संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा।

ई–रिक्शा में करंट उतरने से महिला की मौत, गांव में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवा/महराजगंज। महराजगंज जिले के मैनहवा गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में ई–रिक्शा में करंट उतर जाने से एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और परिजनों में चीख–पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला ई–रिक्शा के संपर्क में आते ही करंट की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने हादसे में शामिल ई–रिक्शा को कब्जे में लेकर तकनीकी जांच के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में वाहन में विद्युत रिसाव (करंट) होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है और मृतका के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

सोनौली के शुभम का CISF में चयन, क्षेत्र का बढ़ाया मान -विद्यालय में हुआ भव्य सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। सोनौली क्षेत्र के होनहार युवा शुभम जायसवाल ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक सफलता बताया है। शुभम, नव ज्योति स्कॉलर्स एकेडमी के पूर्व छात्र हैं। उनकी सफलता पर विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य शिरीष पाण्डेय ने माल्यार्पण कर,

मिष्ठान खिलाकर तथा स्मृति–चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि शुभम की सफलता विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह साबित करती है कि मेहनत, अनुशासन और लगन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए शुभम जायसवाल ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजनों और वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर घनश्याम आजाद, अर्जुन गुप्ता, रमाशंकर मिश्रा, राजीव कुमार, राकेश शुक्ला, कोमल साहू, प्रेमलता जायसवाल सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक, छात्र एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शुभम की उपलब्धि को पूरे सोनौली क्षेत्र के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। उनकी सफलता ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि .ढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम के बल पर कोई भी मंजिल हासिल की जा सकती है।

विजयीपुर के मयौली में जला उच्च शिक्षा का नया दीप, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 211 नए राजकीय डिग्री कॉलेजों में शुरू कराया पठन-पाठन

विजयीपुर कटेया। बिहार में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के 211 नए राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में एक साथ पठन–पाठन कार्य का शुभारंभ किया। इसी क्रम में गोपालगंज जिले के विजयीपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज जगदीशपुर के मथौली स्थित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का भी विधिवत उद्घाटन हुआ। इसके साथ ही वर्षों से क्षेत्रवासियों की उच्च शिक्षा की मांग पूरी हो गई और ग्रामीण अंचल में शिक्षा का एक नया अध्याय शुरू हो गया। स्थानीय स्तर पर आयोजित समारोह में बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री एवं भोरे विधायक सुनील कुमार, जिलाधिकारी समीर सौरभ हथुआ एसडीएम, हथुआ एसडीपीओ, जिला शिक्षा कार्यक्रम स्थापना पदाधिकारी विनय कुमार सुमन,

प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार, थाना अध्यक्ष रविशंकर कुमार,प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नरेश चंद्र उपाध्याय, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र–छात्राएं और हजारों ग्रामीण मौजूद रहे। जिलाधिकारी समीर सौरभ ने बताया कि महाविद्यालय में प्रारंभिक चरण में छह विषयों में स्नातक स्तर की पढ़ाई शुरू की जा रही है। आने वाले समय में आधारभूत संरचना, संसाधनों, शिक्षकों और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके।

ग्रामीण छात्रों के लिए वरदान साबित होगा कॉलेज

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की बेहतर व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारने का आह्वान किया। साथ ही आश्वस्त किया कि महाविद्यालय के विकास और आवश्यक सुविधाओं के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

जिलाधिकारी समीर सौरभ ने कहा कि मथौली में राजकीय डिग्री महाविद्यालय की स्थापना विजयीपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शैक्षणिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी। प्रशासन महाविद्यालय के सुचारु संचालन एवं आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए हर संभव सहयोग करेगा।

युवाओं की मांग को लेकर लगभग दो वर्ष पूर्व, जब सुनील कुमार शिक्षा मंत्री थे, तब उनसे विजयीपुर में डिग्री कॉलेज की स्थापना को लेकर सवाल पूछा गया था। उस समय उन्होंने तकनीकी बाधाओं का उल्लेख करते हुए झूठा आश्वासन देने से इनकार किया था और कहा था कि प्रयास जारी हैं। आज वही प्रयास साकार होते दिखाई दिए और मथौली में राजकीय डिग्री महाविद्यालय का शुभारंभ हो गया।

शिक्षा का नया केंद्र बनेगा मथौलीरू–राजकीय डिग्री महाविद्यालय, मथौली के शुरू होने से अब विजयीपुर, सहित अन्य प्रखंड के और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को स्नातक की पढ़ाई के लिए दूर–दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और छात्राओं को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा। यह महाविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई दिशा देगा।

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का प्रथम आगमन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के प्रथम जनपद आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भाजपा कार्यालय पहुंचने पर गाजे–बाजे, पुष्पवर्षा एवं फूल–मालाओं के साथ उनका भव्य एवं गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्वागत उपरांत भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं को डिजिटल लर्निंग से जोड़ने पर विशेष बल देते हुए कहा कि बदलते समय के अनुरूप तकनीकी रूप से दक्ष कार्यकर्ता ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष पार्टी की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि वह अपने बूथ की परिस्थितियों, कार्यकर्ताओं एवं आम जनता से सबसे अधिक जुड़ा रहता है तथा प्रत्येक सुख–दुख में लोगों के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने जिला अध्यक्ष से नियमित रूप से मंडल अध्यक्षों से संवाद कर प्रत्येक मंडल की गतिविधियों की समीक्षा करने का आग्रह किया, जिससे संगठन और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बन सके। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा आज कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और संघर्ष के बल पर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता, संगठन की मजबूती और जनता के विश्वास के बल पर भारतीय जनता पार्टी आगामी चुनावों में पांचों विधानसभा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करेगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री फूलचंद जायसवाल ने किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा, सांसद जगदंबिका पाल, विधायक राजा जय प्रताप सिंह, विधायक सदर श्यामधनी राही, पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शीतल सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में श्रीमती साधना चौधरी, आशीष शुक्ला, पवन मिश्रा, सच्चिदानंद चौबे, विजयकांत चतुर्वेदी, गोविंद माधव, कन्हैया पासवान, रवि अग्रवाल, मुन्नी देवी, अशोक अग्रहरि, सिद्धार्थ पाठक, अविनाश सिंह रामनारायण, लवकुश ओझा, गुड्डू त्रिपाठी, प्रधान संघ जिला अध्यक्ष पवन मिश्रा, बजरंगी वर्मा अर्चिष्मान मिश्र, राघवेंद्र मिश्रा , उमेश साहू, प्रभात तिवारी विक्की रस्तोगी सहित जिले के सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जोगिया में टेंपो के कट से बाइक सवार युवक घायल, 108 एंबुलेंस की तत्परता से बची जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जोगिया ब्लॉक के ग्राम थाना जोगिया निवासी मुकादम (28) पुत्र जयराम अपनी दुकान से मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह जोगिया पुलिस चौकी के पास पहुंचे तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे एक टेंपो ने अचानक कट मार दिया। इससे उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में मुकादम के सिर पर गंभीर चोट आई, पैर के निचले हिस्से में गहरा घाव हो गया तथा शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें लगीं। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को दी गई। सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोगिया से तैनात 108 एंबुलेंस के ईएमटी कंचन और पायलट रामदीन कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गए। दोनों ने घायल को प्राथमिक उपचार देकर उसकी स्थिति को स्थिर किया और सुरक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

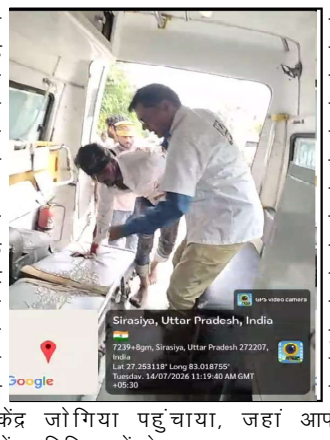

जोगिया पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंचती तो घायल की हालत और गंभीर हो सकती थी। मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा की त्वरित कार्रवाई और ईएमटी टीम की सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मिली चिकित्सा सहायता ने एक बड़ी अनहोनी टाल दी। ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस के अधिकारियों का कहना है कि 108 एंबुलेंस सेवा का उद्देश्य प्रत्येक आपात स्थिति में लोगों तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाकर जीवन बचाना है। प्रशिक्षित ईएमटी और पायलट की तत्परता से सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में लगातार लोगों की जान बचाई जा रही है।

शांति व्यवस्था को लेकर 10 लोगों को शोहरतगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। कानून–व्यवस्था बनाए रखने और संभावित संज्ञेय अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से शोहरतगढ़ अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार

पुलिस ने बुधवार को अलग–अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपितों के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 170 / 126 / 135 के तहत कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक बलिराम गौंड एवं पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार शांति व्यवस्था बनाए रखने और संभावित संज्ञेय अपराधों की रोकथाम के मद्देनजर कुल 10 लोगों, जिनमें आठ पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं, को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। सभी गिरफ्तार व्यक्ति थाना क्षेत्र के जिम्हरिया गांव के निवासी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में राजेन्द्र मौर्य, रमाशंकर मौर्य, गजेन्द्र मौर्य, अजय मौर्य, सोमई उर्फ लौटू मौर्य, श्याम मोहन, कृष्णमोहन, भानमती, धनराज तथा फुलगेना शामिल हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बलिराम गौंड, कांस्टेबल कृष्णानंद सिंह, कांस्टेबल शशिभूषण सिंह तथा महिला आरक्षी उर्मिला शामिल रहीं। पुलिस ने सभी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया।

शासनादेश के बाद बढ़नी नगर पंचायत में कर्मचारियों की वेतन वृद्धि की प्रक्रिया शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी / सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में वृद्धि संबंधी जारी शासनादेश के अनुपालन में बुधवार को बढ़नी नगर पंचायत कार्यालय में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि को राजपत्र (गजट) की प्रति सौंपकर नई मजदूरी दरें लागू कराने की मांग की। नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित नई दरों पर वेतन भुगतान सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शासनादेश के अनुसार आवश्यक कार्रवाई कर कर्मचारियों का वेतन नियमानुसार निर्धारित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन के 17 अप्रैल, 2026 के श्रम अनुभाग–2 द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के तहत विभिन्न नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी दरों में संशोधन किया गया है। यह संशोधित दरें प्रदेश के विभिन्न निकायों एवं संस्थानों में लागू की जानी हैं, जिससे कर्मचारियों को बढ़ी हुई मजदूरी का लाभ मिल सके। नगर पंचायत कर्मचारियों ने शासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए शीघ्र प्रभाव से संशोधित वेतन लागू करने की अपेक्षा जताई। अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने कहा कि कर्मचारियों के हितों का संरक्षण उनकी प्राथमिकता है तथा शासनादेश के अनुरूप सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर वेतन वृद्धि का लाभ दिलाया जाएगा।

बढ़नी में हरिशंकरी पौधरोपण की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा प्रशासन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। लोकभारती एवं जिला प्रशासन, सिद्धार्थनगर के संयुक्त तत्वावधान में 24 जुलाई को आयोजित होने वाले बृहद हरिशंकरी (पीपल, बरगद एवं पाकड़) वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों के क्रम में मंगलवार को विकास खण्ड बढ़नी के ब्लॉक सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक खंड विकास अधिकारी बढ़नी अनीशि मणि पांडेय के निर्देशानुसार सम्पन्न हुई तथा इसकी अध्यक्षता एडीओ पंचायत ने की। बैठक में लोकभारती के ब्लॉक संयोजक सुनील कुमार चौधरी ने हरिशंकरी के तीनों पौधों को एक साथ लगाने की वैज्ञानिक एवं पारंपरिक विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने पौधरोपण के लिए गड्ढे की तैयारी, जीवामृत एवं घन जीवामृत जैसे जैविक खाद के उपयोग, पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई तथा संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना आवश्यक है, उसका संरक्षण उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। प्रत्येक ग्राम पंचायत, सरकारी कार्यालय, विद्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर हरिशंकरी का पौधरोपण कर इसे जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए। सबल संस्थान के सचिव दीनानाथ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधे के संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा। एडीओ कृषि राम सेवक यादव ने कहा कि हरिशंकरी के पौधे पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण एवं जैव विविधता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी विभागों एवं ग्राम पंचायतों से 24 जुलाई के अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। अंत में एडीओ पंचायत ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए 24 जुलाई को अधिक से अधिक हरिशंकरी पौधरोपण कर अभियान को सफल बनाने की अपील की। बैठक में मोहम्मद नियाज (ग्राम पंचायत अधिकारी), शहीद सिराज (एपीओ), राम बिलास (एडीओ पंचायत), राम सेवक यादव (एडीओ कृषि), संतोष कुमार (एडीओ आईएसबी), शकील अहमद, उदय प्रताप गौतम, अवधेश यादव, दिलीप यादव, भानु सिंह, उमेश कुमार (बीएमएम), कमलेश कुमार (बीएमएम), सानेरब (टीए), महेंद्र प्रसाद (लेखाकार), राजेश कुमार (ऑपरेटर), दीनानाथ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, सफाई कर्मी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विकसित साथी पोर्टल पर बीज विक्रेताओं का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

कुशीनगर। जनपद के किसानों को उच्च गुणवत्ता एवं शुद्ध बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित साथी पोर्टल पर जनपद के सभी बीज विक्रेताओं का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। उक्त जानकारी जिला कृषि अधिकारी डा0 मेनका ने देते हुए बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य बीज उत्पादन, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं बिक्री प्रक्रिया को पूर्णतया पारदर्शी, डिजिटल एवं ट्रैसेबल बनाना है। जिससे बीज की गुणवत्ता एवं प्रामाणिकता का सत्यापन सरल एवं प्रभावी हो सके। उन्होंने जनपद के सभी पंजीकृत बीज विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने बीज अनुज्ञापन पत्र (लाइसेंस), पैन कार्ड, आधार विवरण, जीएसटी विवरण एवं प्रतिष्ठान से संबंधित अन्य आवश्यक अभिलेख अपने लॉग–इन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से विकसित साथी पोर्टल पर अपलोड कर दें। यदि पंजीकरण अथवा दस्तावेज अपलोड करने में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है तो संबंधित विक्रेता तत्काल जिला कृषि कार्यालय विकास भवन रवीन्द्रनगर, कुशीनगर में उपस्थित होकर उसका निराकरण करा सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह कार्य 25 जुलाई तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए। निर्धारित समयावधि के भीतर पोर्टल पर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण न करने वाले बीज विक्रेताओं के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी।

डीएम ने सहकारी समिति का किया निरीक्षण, निर्धारित दर पर खाद वितरण के दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लि0, देवलहा ग्रान्ट,

विकास खण्ड उसका बाजार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा स्टाक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर को देखा गया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर रजिस्टर में अंकित खाद लेने वाले किसानों से दूरभाष से वार्ता कर जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित दर पर खाद की विक्री करें। इसके साथ ही किसानों का आधार नम्बर एवं मोबाइल नम्बर रजिस्टर पर दर्ज करें।

भकहा प्राथमिक विद्यालय के ऊपर झूल रही 11 हजार वोल्ट लाइन, बच्चों पर मंडरा रहा हादसे का खतरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सिद्धार्थनगर जिले के खेसरहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत भकहा स्थित प्राथमिक विद्यालय के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन बच्चों और शिक्षकों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है। विद्यालय परिसर के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार काफी नीचे झुक गए हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अब्बू बकर ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। विद्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं पढ़ने आते हैं, लेकिन हाईटेंशन लाइन के कारण अभिभावकों और शिक्षकों में हमेशा डर बना रहता है। उन्होंने बताया कि कई बार संबंधित विभाग को इसकी जानकारी देकर समाधान की मांग की जा चुकी है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज हवा और बारिश के दौरान तार और अधिक नीचे झूलने लगते हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ जाती है। वहीं, खेसरहा विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता शिव शंकर ने बताया कि क्षेत्र के छह गांवों में 11 हजार वोल्ट की नग्न विद्युत लाइन को बदलकर इंसुलेटेड तार लगाए जाने का कार्य प्रस्तावित है। तीन गांवों में यह कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष गांवों में काम प्रगति पर है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि भकहा गांव की समस्या का समाधान भी अगले एक सप्ताह के भीतर कर लिया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से विद्यालय परिसर के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को जल्द सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से पहले बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का प्रथम आगमन, कार्यकर्ताओं के सम्मान पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के जनपद सिद्धार्थनगर में प्रथम आगमन पर उसका बाजार में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही तथा पूर्व मंत्री जय प्रताप सिंह ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि उसका बाजार की ऐतिहासिक भूमि पर कार्यकर्ताओं द्वारा मिला आत्मीय एवं अविस्मरणीय स्वागत उन्हें अभिभूत कर गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है और उनके सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, हेमंत जायसवाल, राकेश आर्य सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

बढ़ना है तो पढ़ना होगा: रामकुमार सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विद्यालयों में शत–प्रतिशत नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल ज़रूरी है। सदर ब्लाक के कंपोजिट स्कूल लमतिहवा में स्कूल चलो अभियान की जन– जागरूकता रैली में शामिल होने के बाद शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए बीईओ रामकुमार सिंह ने सरल रोचक एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण सृजित करने हेतु अभिप्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालयों में पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन,स्वच्छ पेयजल एवं खेलकूद गतिविधियों के सक्रिय संचालन हेतु विशेष रूप से निर्देशित किया। कार्यक्रम में नोडल संकुल नियाज़ अहमद, रामसुभग,अरूण त्रिपाठी, देवेंद्र त्रिपाठी, अमित द्विवेदी, संघशील बौद्ध, प्रभाकर शुक्ला, रोमा उपाध्याय, ममता श्रीवास्तव, संजीत कुमार, पूर्णिमा शुक्ला तथा रिंकू कसौधन सहित बड़ी संख्या में बच्चों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कुशीनगर मेडिकल कॉलेज के बच्चों के आईसीयू में अवैध वसूली का वीडियो वायरल, मचा हड़कंप

कुशीनगर। जनपद के स्वशासी मेडिकल कॉलेज कुशीनगर के बच्चों के आईसीयू, एनआईसीयू से जुड़ा एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में कथित तौर पर नर्सिंग स्टाफ के केबिन के भीतर एक तीमारदार को रुपये देते हुए देखा जा रहा है। वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि बच्चों के आईसीयू में भर्ती मासूम मरीजों के परिजनों से इलाज और अन्य सुविधाओं के नाम पर दो सौ रुपए की अवैध वसूली की जा रही थी। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और इसकी सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। जानकारी के अनुसार वीडियो किसी तीमारदार द्वारा मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया गया है बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही मेडिकल कॉलेज प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल उठने लगे है। वीडियो तेजी से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा है। जिससे मरीजों के परिजनों और आम लोगों में भी चर्चा का विषय बन गया है। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी अस्पताल में इस तरह की वसूली हो रही है तो यह गंभीर मामला है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष गुप्ता ने तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो की विस्तृत जांच मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से कराई जाएगी। जांच के दौरान वीडियो की सत्यता, उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान और कथित लेन–देन की परिस्थितियों की पड़ताल की जाएगी। प्राचार्य डॉ. सुभाष गुप्ता ने स्पष्ट कहा कि मेडिकल कॉलेज में मरीजों या उनके परिजनों से किसी भी प्रकार की अवैध वसूली किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि जांच में किसी कर्मचारी, नर्सिंग स्टाफ या अन्य संबंधित व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर होगी तथा दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।फिलहाल मेडिकल कॉलेज प्रशासन जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

सम्पादकीय

विडंबना ही है कि अब जब उन्नत तकनीक के जरिये टिकटों के नियमन व सीटों के आवंटन पर पैनी नजर रखना संभव है, तो बर्थ देने में टीटीई की बड़ी भूमिका क्यों है ? अक्सर मुश्किलों में सफर कर रहे यात्रियों की मजबूरी का भी टीटीई जमकर फायदा उठाते हैं। सबसे बड़ी विसंगति यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े रेल–नेटवर्कों में शुमार भारतीय रेलवे नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और ...

सब्जियों की तरह बेचते हैं बर्थ

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई–गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता–तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल–मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता–तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस–8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने–पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलतरू हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा। ताकि पैसे लेकर खाली बर्थ बेचने वाले टीटीई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने कदाचार करने वाले रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ अधिकतम कार्रवाई करने को कहा क्योंकि टीटीई की लापरवाही ही ट्रेन में घटे इस अपराध की वजह बनी थी। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति सिर्फ चोरी का शिकार हुआ,लेकिन टीटीई के गैर–जिम्मेदार व्यवहार से उसकी जान चली गई। अदालत ने माना कि ऐसे तमाम मामले सामने नहीं आ पाते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि रेलवे कर्मचारी ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करें तो यात्रियों का जीवन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। विडंबना ही है कि अब जब उन्नत तकनीक के जरिये टिकटों के नियमन व सीटों के आवंटन पर पैनी नजर रखना संभव है, तो बर्थ देने में टीटीई की बड़ी भूमिका क्यों है? अक्सर मुश्किलों में सफर कर रहे यात्रियों की मजबूरी का भी टीटीई जमकर फायदा उठाते हैं। सबसे बड़ी विसंगति यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े रेल–नेटवर्कों में शुमार भारतीय रेलवे नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक हित साधने का माध्यम रहा है। एक समय गठबंधन सरकारों के दौर में रेल मंत्री पद के लिये बड़ी दावेदारी होती थी। अपने चुनाव क्षेत्र व राज्य के लोगों को रेलवे में भर्ती करना प्राथमिकता होती थी, लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और कार्यशैली में सुधार की दिशा में गंभीर कोशिश होती कभी नजर नहीं आयी। जिसके चलते रेलवे परिचालन व्यवस्था में कदाचार गहरी जड़ें जमाता रहा है। जिसकी कीमत लगातार यात्री चुका रहे हैं।

जलतंत्र में डूबता –उतराता लोकतंत्र

हर घर नल–जल योजना जहां नहीं पहुंच पाती, वहां बाढ़ बिना किसी सरकारी आदेश के पानी पहुंचा देती है। टूटी सड़कें प्राकृतिक स्विमिंग पूल बन जाती हैं और बच्चे मुफ्त के वाटर पार्क का आनंद लेने लगते हैं। प्रकृति और हमारी व्यवस्था की साझेदारी ने जलजमाव और बाढ़ को एक ऐसे वार्षिक महोत्सव का दर्जा दे दिया है, जिसका इंतजार कुछ लोग डर से और कुछ अवसर की तलाश में करते हैं। बरसात आते ही आम आदमी की जिंदगी पानी में बहने लगती है और नेताओं की संवेदनाएं हेलीकॉप्टर के साथ उड़ान भरने लगती हैं। उधर वीआईपी आवासों में गर्मा–गर्म पकौड़े छनते हैं, इधर जलमग्न इलाकों में लोग राहत सामग्री की आस में भीगते रहते हैं। चुनाव प्रचार के बाद हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण का यह दूसरा सबसे बड़ा अवसर होता है। ऊपर से बाढ़ का मंजर दिखाई देता है और नीचे पीड़ितों को आश्वासनों की बारिश। विपक्ष भी वर्षभर की शीतनिद्रा छोड़कर बांध, कटाव और राहत को लेकर ऐसी गर्जना करता है, मानो उसके भाषण से ही नदियां दिशा बदल लेंगी। जलराशि अथवा बाढ़ अपने साथ केवल पानी नहीं, अवसर भी लाती है। जलकुंभी की तरह स्वयंसेवी संस्थाएं और मौसमी समाजसेवी उग आते हैं। दो किलो चूड़ा–गुड़ बांटकर दर्जनों सेल्फियां खिंचवाते हैं और सोशल मीडिया पर स्वयं को आधुनिक दानवीर कर्ण घोषित कर देते हैं। अधिकारी राहत योजनाओं की फाइलों में आंकड़ों का ऐसा तैराकी प्रदर्शन करते हैं कि कागज पर पूरा इलाका राहत से सराबोर दिखाई देता है। हर घर नल–जल योजना जहां नहीं पहुंच पाती, वहां बाढ़ बिना किसी सरकारी आदेश के पानी पहुंचा देती है। टूटी सड़कें प्राकृतिक स्विमिंग पूल बन जाती हैं और बच्चे मुफ्त के वाटर पार्क का आनंद लेने लगते हैं। हमारी आस्थावान जनता नदियों को 'मैया' कहती है, इसलिए शायद मैया भी हर वर्ष बिना निमंत्रण घर–घर दर्शन देने चली आती हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो हमारे यहां बाढ़ या जल जमाव अब प्राकृतिक आपदा कम और लोकतांत्रिक परंपरा अधिक बन चुकी है। ऐसे में इनका स्थायी समाधान खोजने की बात बेमानी सी लगती है। आखिर हवाई सर्वेक्षण, राहत पैकेज, प्रेस कॉन्फरेंस, फोटोशूट और मौसमी समाजसेवा के इस वार्षिक महोत्सव की परंपरा टूट गई, तो फिर बाढ़ का 'लोकतांत्रिक लाभ' कौन उठाएगा?

दुनिया के लिए सबक यूरोप की असामान्य गर्मी

अध्ययनकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि जिन क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी जैसे हालात होंगे, वहां वृद्ध लोगों को गर्मी से 35 फीसदी अधिक खतरा होगा। अध्ययनकर्ता प्रोफेसर टश्वम मैथ्यूज के अनुसार, यदि वैश्विक तापमान में वृद्धि निर्धारित मानक के अनुपात में दो डिग्री तक पहुंच जाती है तो इसके घातक परिणाम होंगे। इससे वृद्ध लोगों को झुलसाने वाली गर्मी की सीमाएं बढ़ेंगी। वहीं, इससे युवा आने वाले समय में अधिक जूझते ...

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। ग्लोबल वार्मिंग ने दुनियाभर में कहर ढाना शुरू कर दिया है। इसके कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो गई है। अब तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा है। इसके चलते लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यूरोप की भीषण गर्मी इस बात की चेतावनी है। यूरोप की इस गर्मी को 'हीट डोम' कहें, 'हीटवेव' कहें या फिर उसे 'ओमेगा हीटवेव' की संज्ञा दी जाए, हकीकत यह है कि यूरोप भीषण गर्मी के साये में झुलस रहा है। यूरोप के कई देश 1970 के दशक की तुलना में दो महीने अधिक 'हीट स्ट्रेस' का भीषण असर झेल रहे हैं। इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग और जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। हीट डोम बहुत ही धीमी गति से आगे बढ़ते हैं। इससे लोग लंबे समय तक गर्मी झेलने को मजबूर होते हैं। इस समय फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली की सरकारों ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। पूरे स्पेन में गर्मी का अलर्ट है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भीषण गर्मी के चलते अभी तक 3700 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। स्थानीय अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में हाई अलर्ट है। वहां के 54 विभागों में रेड अलर्ट है। यहां 1947 के बाद इस बार भीषण गर्मी देखी गई है। हालात इतने खराब हैं कि गर्मी से राहत पाने की कोशिश में वहां जलाशयों व नदियों में गए तकरीबन 40 से ज्यादा लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। एफिल टावर के पास ट्रोकाडेरो फाउंटेन में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूदते देखे गए हैं। यही नहीं, वहां घरों में रहने वाले 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतों की तादाद सबसे ज्यादा, यानी 91 फीसदी है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी सबसे ज्यादा 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतें हुई हैं। यह हालात की भयावहता का जीता–जागता सबूत है। इन हालातों ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। परिवहन सुविधाओं पर भी काफी दबाव पड़ा है। लोग मानने लगे हैं कि अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेने का समय आ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप में गर्मी के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वैज्ञानिक इसे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक दुर्लभ मौसमी पैटर्न की संज्ञा दे रहे हैं। उनके अनुसार ओमेगा ब्लॉक के चलते यूरोप के कई देशों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो गया है। स्कूल बंद करने पड़े हैं। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और पोल्ट्री फार्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस असामान्य गर्मी के पीछे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक मौसमी पैटर्न है, जिसमें उच्च दबाव का क्षेत्र ग्रीक अक्षर 'ओमेगा' के आकार का बन जाता है। यह गर्म हवा को लंबे समय तक एक ही इलाके में रोककर रखता है, जिससे अमूमन तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। फ्रांस के दक्षिण–पश्चिमी शहर पिसोस में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उत्तर–पश्चिमी शहर ब्रिटनी में बिजली आपूर्ति ठप रही है। वहीं, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को भी उत्पादन में सात फीसदी की कटौती करने को बाध्य होना पड़ा है। इसका कारण शीतलन के लिए वहां पर्याप्त पानी का अभाव था। इससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं, इटली में सोलह शहरों में उच्च स्तर का हाई अलर्ट जारी करना पड़ा है। ब्रिटेन में बढ़ते तापमान के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। फ्रांस में कारों में अत्यधिक तापमान के कारण कई छोटे बच्चे मौत के मुंह में चले गए। यहां के ब्रिटनी और पेज दे ला लोआर इलाके के अनेक पोल्ट्री फार्मों में अत्यधिक गर्मी से लाखों पक्षियों की मौत हो गई। दरअसल, अध्ययनों ने एक साल पहले ही चेता दिया था कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तीन गुना अधिक भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। नेचर रिव्यू अर्थ एंड एनवायरमेंट में प्रकाशित किंग्स कॉलेज के अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार, स्वस्थ और युवा वयस्कों को बढ़ती गर्मी के चलते होने वाली कठिनाई की सीमा तीन गुना होने की संभावना व्यक्त की गई थी। अध्ययनकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि जिन क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी जैसे हालात होंगे, वहां वृद्ध लोगों को गर्मी से 35 फीसदी अधिक खतरा होगा। अध्ययनकर्ता प्रोफेसर टॉम मैथ्यूज के अनुसार, यदि वैश्विक तापमान में वृद्धि निर्धारित मानक के अनुपात में दो डिग्री तक पहुंच जाती है तो इसके घातक परिणाम होंगे।

परेशान करती सरकार व समाज की चुप्पी

मीडिया का दायित्व है कि वह समाज को स्थिति की गंभीरता और भयावहता से परिचित कराये। सरकार से सवाल पूछे कि वह इस गंभीर विषय पर कुछ कहने–करने से क्यों कतरा रही है ? सवाल सिर्फ शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं है, उस सारी स्थिति के आकलन का है जिसके चलते छात्रों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है। सवाल हमारी शिक्षा नीति के औचित्य को लेकर भी ...

आज जंतर–मंतर पर जो कुछ हो रहा है, और उसे लेकर समाज में जो कुछ नहीं हो रहा है, वह कुल मिलाकर राष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि हमारी सरकार युवा–शक्ति की परेशानी को समझने की कोशिश करती, पर उसने चुप्पी साध रखी है। होना तो चाहिए था कि हमारा मीडिया इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुखर होता। देश की राजधानी दिल्ली में 'कॉकरोच पार्टी' का आंदोलन जारी है। लगभग एक महीना होने को आया देश के युवाओं की टोलियों को देश के शिक्षामंत्री का इस्तीफा मांगते हुए। उनका कहना है 'नीट' की परीक्षा में होने वाली धांधली और अनेक युवाओं द्वारा की गई आत्महत्याओं की जिम्मेदारी किसी को तो लेनी होगी। सवाल शिक्षामंत्री के इस्तीफे मात्र का नहीं है, सवाल जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की आपराधिक अनदेखी करने का भी है। इस बीच लद्दाख के जाने–माने सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को भी जंतर–मंतर पर आमरण अनशन करते हुए सोलह दिन से अधिक हो गये हैं। और जब मैं यह शब्द लिख रहा हूं सोशल मीडिया पर यह समाचार वायरल हो रहा है कि वांगचुक की स्थिति ठीक नहीं है। हैरानी की बात तो यह है कि युवाओं के आंदोलन के इतने दिन बीत गये, वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है, और सरकार के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही! क्या यह सही नहीं है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली के चलते पंद्रह से अधिक युवाओं ने आत्महत्या कर ली? इस धांधली और युवाओं की मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका कोई समुचित जवाब सरकार ने अब तक नहीं दिया है। यह सही है कि इस बीच 'नीट' की परीक्षा फिर से करवा ली गयी है, पर क्या यह सही नहीं है कि लाखों विद्यार्थियों ने भयंकर मानसिक दबाव में यह परीक्षा फिर से दी है? कोई तो उत्तरदायी होगा इस सारी स्थिति के लिए। मामला शिक्षा में धांधली का है, तो क्यों न शिक्षामंत्री को इसके लिए उत्तरदायी माना जाये? होना तो यह चाहिए था कि देश के शिक्षामंत्री स्वयं आगे बढ़कर

नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देकर एक उदाहरण प्रस्तुत करते। पर उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। उलटे भाजपा वाले बड़े गर्व से यह कहते नहीं थक रहे कि उनकी सरकार में पद से इस्तीफा देने की परम्परा नहीं है। सवाल पूछा जाना चाहिए कि संबंधित मंत्री जवाबदेही क्यों न स्वीकारें। छोटी–छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने वाले प्रधानमंत्री कार्यालय से भी इस महत्वपूर्ण प्रकरण के बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है। 'नीट' के लगभग बीस उम्मीदवारों की आत्महत्या क्या कोई इतना छोटा मामला है कि देश के प्रधानमंत्री को इस बारे में कुछ कहने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई? यहां यह कहना असंगत नहीं होगा कि 2021 से लेकर 2026 तक 'नीट' से जुड़े ऐसे नब्बे से अधिक मामले सामने आये हैं। इस बार लगभग 23 लाख छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी थी। सब जानते हैं कि इस परीक्षा की तैयारी कोई खेल नहीं होती। भयंकर दबाव में रहते हैं प्रतीक्षार्थी। आत्महत्या करने वाले अभागे छात्र इस दबाव को झेल नहीं पाये। कल्पना की जा सकती है कि इनके अभिभावकों पर क्या गुजर रही होगी। क्या उनकी पीड़ा सरकार के वरिष्ठ नेताओं से सांत्वना के दो शब्द पाने लायक भी नहीं थी? तो फिर यह चुप्पी क्यों? इस चुप्पी को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह सही है कि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं की तुलना कॉकरोच से किये जाने के बाद कॉकरोच पार्टी के गठन को पहले हल्के में ही लिया गया था। बोस्टन में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके ने शायद मजाक में ही मुख्य न्यायाधीश की बात पर सोशल मीडिया से यह सवाल उछाला था कि 'यदि सारे कॉकरोच इकट्ठे हो गये तो?' इस 'तो' के उत्तर में जब हजारों की संख्या में युवा समर्थकों ने मुख्य न्यायाधीश के कथन की आलोचना करते हुए विरोध की आवाज उठायी तो बात गंभीर होती गयी। यह सही है कि आज भी संस्था की दृष्टि से इस आंदोलन को उतनी सफलता नहीं मिल पायी, जितनी मिल जानी चाहिए थी, पर जो समर्थन इसे देश में मिल रहा है, वह कम भी नहीं है। कम से कम इतना कम तो नहीं कि इसकी उपेक्षा की जाये। आखिर युवा यही तो पूछ रहे हैं कि परीक्षा में धांधली का जिम्मेदार कौन है? छात्रों की आत्महत्या करने के लिए बाध्य करने के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? वांगचुक और उनके साथ कई छात्रों को अनशन पर क्यों बैठना पड़ा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारी समूची व्यवस्था इतनी असंवेदनशील और अनुत्तरदायी कैसे हो गयी है? एक और सवाल जो हमारी चिंता का विषय बनना चाहिए वह हमारे मीडिया की असंवेदनशीलता का है। जंतर–मंतर पर हजारों युवा देश के शिक्षामंत्री के खिलाफ लगभग एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। खुले मैदान में ये छात्र गर्मी और बरसात झेल रहे हैं। भूख हड़ताल पर बैठे युवाओं में से कइयों को बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण अस्पतालों में भर्ती किया गया है। मुद्दा देश के युवाओं के भविष्य का है। लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पर इस सबको लेकर देश की मुख्यधारा का मीडिया जरा भी चिंतित नहीं दिखाई दे रहा। आपराधिक चुप्पी सरकार ही नहीं बरत रही, हमारे मीडिया ने भी वैसी ही चुप्पी साध रखी है। आखिर क्यों? यह एक शर्मनाक हकीकत ही है कि यदि हमारा सोशल मीडिया सक्रिय न होता तो जंतर–मंतर के इस प्रदर्शन की जानकारी भी देश को न हो पाती। आंदोलन कैसे चल रहा है, आंदोलन के प्रति समाज का रवैया कैसा है, सरकार की चुप्पी का रहस्य क्या है, जैसे सारे सवाल अनुत्तरित ही रह जाते यदि सोशल मीडिया इस संदर्भ में सक्रिय न होता। महीने भर से देश का युवा उद्वेलित है, राजधानी दिल्ली के साथ–साथ देश के कई अन्य शहरों में भी युवा–शक्ति सड़कों पर है, पर अखबारों में इसकी कोई जानकारी नहीं दिखती। हमारे प्रधानमंत्री की विदेश–यात्राओं में भारतीय मूल के लोगों की 'भीड़' को दिखाने की तत्परता तो हमारे मीडिया में खूब दिख रही है, पर देश की राजधानी दिल्ली में लगातार जुट रहे युवा जैसे मीडिया को दिखाई ही नहीं दे रहे!

वाशिंगटन सुंदर बोले– बल्लेबाजी में अलग रोल रोमांचित करते हैं, गौतम गंभीर ने बढ़ाया मेरा भरोसा

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर उतरने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्हें बल्लेबाजी में अलग–अलग भूमिकाएं रोमांचित करती हैं। वाशिंगटन की खेल के विभिन्न प्रारूपों में भूमिकाएं बदलती रहती हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां खेले गए पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए और उन्होंने नाबाद 52 रन बनाए। भारत ने यह मैच छह विकेट से जीता।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्षर पटेल (नाबाद 57) के साथ 102 रन की अटूट साझेदारी की। कप्तान शुभमन गिल की 80 रन की पारी के बाद इन दोनों ने मिलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। वाशिंगटन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मुझे अलग–अलग भूमिकाएं निभाना रोमांचक लगता है। बहुत कम खिलाड़ियों को अलग–अलग भूमिकाएं निभाने का मौका मिलता है। इससे मुझे अलग–अलग परिस्थितियों में खेलने का मौका मिलता है।''

उन्होंने कहा, ''मैं टीम को जीत दिलाने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करता हूं। खेल की अलग–अलग परिस्थितियों और अलग–अलग चरणों में आत्मविश्वास को बढ़ाने में खेलना रोमांचक होता है।''

वॉशिंगटन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक बल्लेबाज के रूप में उनके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही उन्होंने गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा के प्रभाव को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ''गौती भाई (गौतम गंभीर) ने हमेशा मुझे बताया कि मैं बल्लेबाजी में क्या खास योगदान दे सकता हूं। उन्होंने मुझे मेरे खेल के बारे में समझाया। गुजरात टाइटंस में आशीष नेहरा ने मुझे एक व्यक्ति के रूप में और एक क्रिकेटर के रूप में खुद को बेहतर ढंग से समझने में बहुत मदद की है।''

वाशिंगटन ने कहा,''एक ऑलराउंडर के रूप में मुझे लगता है कि हर दिन सुधार करने की कोशिश करना, अपने खेल को समझना और परिस्थिति के अनुसार खेलना बहुत जरूरी है। अधिक मैच खेलने से भी मदद मिलती है। आपको विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने का मौका मिलता है। इससे आप समझ पाते हैं कि आप वास्तव में क्या कर सकते हैं।

आपको बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।'' तमिलनाडु के इस क्रिकेटर ने कहा कि टीम को ऐसे खिलाड़ियों से बहुत फायदा मिलता है जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं। वाशिंगटन ने कहा, ''मेरे लिए ऑलराउंडर होना बहुत बड़ा सौभाग्य है। मेरा मतलब है कि किसी भी टीम में जितने अधिक ऑलराउंडर होंगे टीम को उतना अधिक फायदा मिलेगा क्योंकि तब आप परिस्थितियों के अनुसार खेल सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''आपको कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि आपके पास विकल्पों की कमी है। हम दुनिया भर में बहुत क्रिकेट खेलते हैं। परिस्थितियां काफी अलग होती हैं। आज का दिन हम सभी के लिए अच्छा रहा।'' वाशिंगटन ने कप्तान गिल और साथी ऑलराउंडर अक्षर पटेल की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''विकेट से गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिल रही थी। शुभमन ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और श्रेयस अय्यर के साथ उनकी साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण थी।

अक्षर ने शानदार बल्लेबाजी की और हर बार महत्वपूर्ण मौके पर चौके लगाए जिससे काम आसान हो गया।'' वॉशिंगटन ने तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ की भी प्रशंसा की, जिन्होंने नौ ओवर में 61 रन देकर बेन डकेट और जैकब बेथेल के विकेट लिए। उन्होंने कहा, ''गुरनूर ने शुरू से अपना जज्बा दिखाया है। मैंने उन्हें पिछले कुछ वर्षों में गुजरात टाइटंस में एक साथ खेलते हुए करीब से देखा है। चाहे मैच हो या अभ्यास सत्र, वह हमेशा अपना सब कुछ झोंक देते हैं। इस मैच में जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

बापू के स्वच्छ भारत के सपनों पर सवाल, टिकरिया सामुदायिक शौचालय की बदहाल स्थिति से ग्रामीण परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकासखंड जोगिया की ग्राम पंचायत टिकरिया स्थित सामुदायिक शौचालय की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शौचालय में साफ–सफाई की व्यवस्था बेहद खराब है, जिससे वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। वहां के लोगों ने बताया सूरज श्रीवास्तव, विमलेश यादव, चंदन यादव, ओमकार यादव, समेत गांव के तमाम लोगों ने बताया कि यहां के सचिव प्रदीप सिंह ऐडीओ पंचायत का प्रभार लेकर कार्य कर रहे हैं जिससे सचिव का कार्य करने में आसुविधा हो रही है वही शौचालय में पानी की मोटर खराब पड़ी है और बिजली का पावर बोर्ड व तार असुरक्षित तरीके से लटक रहे हैं, जिससे किसी भी समय करंट लगने जैसी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। लोगों ने इसे तत्काल ठीक कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय के रखरखाव के नाम पर हर महीने सरकारी धन खर्च दिखाया जाता है, लेकिन मौके पर उसकी स्थिति इसके विपरीत नजर आती है। ग्रामीणों ने रखरखाव में अनियमितता की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।जब इस मामले को ग्राम पंचायत सचिव प्रदीप सिंह से बताया गया, तो उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया और जिम्मेदारी निभाने में उदासीन नजर आए।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सामुदायिक शौचालय की तत्काल मरम्मत कराई जाए, साफ–सफाई की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा बिजली और पानी की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए, ताकि स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्य पूरे हो सकें। खण्ड विकास जोगिया अधिकारी रामानन्द वर्मा ने बताया कि यह मामला संज्ञान मे नही है इसकी जांच कराकर अनियमितता पाई गई तो कार्यवाही की जाएगी।

लामिने यामल ने गोल नहीं किया फिर भी बने गेम चेन्जर , स्पेन बनाम फ्रांस मैच में दिखाई अपनी चतुराई

युवा स्ट्राइकर लामिन यामल ने गोल नहीं किया लेकिन अपने ही पेनल्टी क्षेत्र में गेंद को बेतरतीब ढंग से हेड करने के

उन्होंने अपने चतुराई भरे खेल से स्पेन की विश्व कप सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 2–0 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी का अवसर को भांपने के कौशल का शानदार नजारा तब देखने को मिला जब उन्होंने लुकास डिग्ने की ओर दौड़ लगाई, क्योंकि उस समय फ्रांस का यह डिफेंडर बाद उसे 'क्लियर' करने की कोशिश कर रहा था। डिग्ने ने गेंद को 'क्लियर' करने के लिए पैर उठाते समय यामल को आते हुए नहीं देखा। उनका पैर स्पेन के फॉरवर्ड की जांघ से टकरा गया जिससे पेनल्टी मिली और स्पेन को बढ़त हासिल करने का मौका मिल गया। स्पेन के विश्व कप फाइनल तक के सफर में यामल ने सिर्फ एक गोल किया है। सेमीफाइनल से एक दिन पहले यामल के 19वें जन्मदिन पर जब कोच लुइस डे ला फुएंते से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने उनकी अन्य खूबियों का जिक्र किया।

ला फुएंते ने कहा, ''यह टीम खेल के हर पहलू को अच्छी तरह से समझती है।'' यामल के शानदार खेल के चलते पेनल्टी किक मिली, लेकिन इसके लिए मिकेल ओयार्जाबल को चुना गया जिन्होंने उसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

यामल ने अब तक विश्व कप में केवल एक गोल किया है और वह अभी तक एक भी 'असिस्ट' (गोल करने में मदद) नहीं कर पाए हैं, लेकिन अगर वह न होते तो स्पेन सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ हाफ टाइम तक बढ़त हासिल नहीं कर पाता।

जनगणना–2027 की तैयारियां तेज, जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता में भारत की जनगणना –2026 के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। भारत की जनगणना–2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का कार्य जनपद सिद्धार्थनगर में दिनांक 22 मई 2026 से 20 जून 2026 के बीच सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जिसके उपरान्त जनपद की जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (क्ब्ठ–क्पेजतपबज ब्मदेने भ्दक ठववा) निर्माण हेतु ग्रामीण स्तर पर ग्राम निर्देशिका (VD&Village Directory) व शहरी स्तर पर (ज्क–ज्वूद क्पतमबजवतल) नगर निर्देशिका तैयार की जानी है, जिसमें जनपद के अन्तर्गत समस्त ग्रामों व शहरों से मूलभूत सुविधा जैसे–शैक्षणिक सुविधाएँ, चिकित्सा सुविधाएँ, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाएँ, संचार, परिवहन सुविधाएँ एवं संपर्कता से सम्बन्धित डाटा फीड किया जाना है, जैसे कि किसी ग्राम/नगर में प्राथमिक विद्यालय स्थापित है अथवा नहीं यदि नहीं है तो उस ग्राम/नगर से कितनी दूरी पर है, ग्राम/नगर से नजदीकी रेलवे स्टेशन, ग्राम/नगर से नजदीकी हस्पताल आदि जैसी सूचना प्रत्येक ग्राम/शहर वार की एकत्रित की जानी है, जिसमें जनपद के लेखपाल आदि कर्मिकों से यह वृहद सूचना इकट्ठा कर जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार की जानी है। इसके साथ ही चार्ज स्तर पर (तहसील) प्रशिक्षण का कार्य दिनांक 17 जुलाई 2026 से 30 जुलाई 2026 तक पूर्ण कर लिया जायेगा तथा शासन द्वारा उक्त कार्य हेतु निर्धारित समय सीमा दिनांक 16 अगस्त से 15 सितम्बर 2026 तक उक्त कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किये जाने की योजना के सम्बन्ध में समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, समस्त नायब तहसीलदारों को बी०एस०ए०, डी०एस०टी०ओ०, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, श्री गया मिश्रा जनगणना सहायक, श्री बृजेश जनगणन सेल से आदि को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) गौरव श्रीवास्तव, समस्त उपजिलाधिकारी, उपनिदेशक सहमण्डल प्रभारी, संजय कुमार, जिला जनगणना प्रभारी नागेन्द्र यादव व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चाबहार पर फिर अटैक! भारत के ड्रीम प्रोजेक्ट को बार–बार क्यों टारगेट कर रहा अमेरिका ?

भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक महत्व वाला बंदरगाह चाबहार। इसे लेकर अब एक बड़ी जानकारी सामने आई है। ईरान से चल रहे युद्ध में अमेरिका और इजराइल चाबहार के कई इलाकों पर बमबारी कर चुका है और इसमें चाबहार के इलाकों में भारी नुकसान की भी खबरें हैं। लेकिन अब चाबहार पर एक बार फिर हमले की खबर सामने आई है। सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम अफेयर्स अथॉरिटी ने बुधवार को बताया कि दक्षिण–पूर्वी ईरान में चाबहार पोर्ट पर रात में हुए हमलों के दौरान अमेरिकी प्रोजेक्टाइल से मैरीटाइम ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर पर हमला हुआ, जिससे उसका ढांचा क्षतिग्रस्त हो गया। अथॉरिटी के पब्लिक रिलेशंस डिपार्टमेंट ने एक बयान में कहा कि चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी हमलों के बाद पोर्ट के मैरीटाइम ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर पर हमला किया गया। बयान में कहा गया है कि मैरीटाइम वॉचटावर एक सिविलियन सुविधा है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से समुद्र में मछुआरों के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन और समुद्री व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है। खुजेस्तान में दूसरी जगहों पर भी हमले: यह बयान फार्स न्यूज एजेंसी की उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से कहा गया था कि ईरान के दक्षिण–पश्चिमी खुजेस्तान प्रांत में गेहूं के भंडारण वाले साइलो और एक अन्य जगह पर रात में अमेरिकी प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान पर हमले जारी रहेंगे और आने वाले दिनों में और तेज होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेहरान बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटा, तो अमेरिका अगले हफ्ते से ईरान के पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाना शुरू कर देगा। हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुए उस समझौते के बावजूद दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर हमले किए हैं, जिसका मकसद संघर्ष को खत्म करना और स्थायी शांति समझौता करना था। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र भी भेजा है, जिसमें उसने अमेरिका पर इस्लामाबाद समझौते (डवन) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। चाबहार भारत के लिए बेहद रणनीतिक महत्व वाला पोर्ट है। इसके जरिए भारत पाकिस्तान को बाईपास करके ईरान और फिर उससे आगे के हिस्सों तक अपनी पहुंच को बढ़ाता है और इसमें पाकिस्तान की भूमिका को वो शून्य करता है।

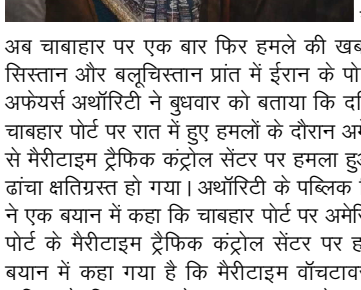

फीफा वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल: मार्क गुएही का दावा, दबाव अर्जेंटीना पर है, हम पर नहीं

इंग्लैंड के डिफेंडर मार्क गुएही ने कहा है कि बुधवार को होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमी–फाइनल से पहले मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना पर दबाव है। वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड का मुकाबला अटलांटा के मर्सिडीज–बेंज स्टेडियम में अर्जेंटीना से होगा, जहाँ पहले सेमी–फाइनल में फ्रांस पर 2–0 से जीत के बाद स्पेन उनका इंतजार कर रहा है। गुएही ने भरोसा जताते हुए कहा कि हम पर कोई दबाव नहीं है। कैसा दबाव? दबाव तो उन पर है। वे वर्ल्ड चौंपियन हैं। उन्हें मैदान पर उतरना हैय उन्हें अपना टाइटल बचाना है। हम पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो हर कोई उत्साहित है। यह मौका, बड़े खिलाड़ीकृहर कोई उनके खिलाफ खेलने के इस मौके का आनंद ले रहा है और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

यह मैच वर्ल्ड कप की सबसे मशहूर प्रतिद्वंद्विता में से एक को फिर से जिंदा करेगा। यह मुकाबला 1986 में डिएगो माराडोना के हैंड ऑफ गॉड गोल और 1998 के राउंड ऑफ 16 मैच में डेविड बेकहम को मिले रेड कार्ड के लिए याद किया जाता है। फुटबॉल के अलावा, फॉकलैंड आइलैंड्स के पुराने विवाद की वजह से भी इस मैच का ऐतिहासिक महत्व है। टीम

के साथी एजरी कोंसा ने सिर्फ फुटबॉल पर ध्यान देने पर जोर देते हुए कहा कि हमें बस खुद पर ध्यान देना है। इसके पीछे के इतिहास को भूलने की कोशिश करनी है, इसे लेकर ज्यादा जोश में नहीं आना है और मैदान पर जाकर वही करना है जो हम सबसे बेहतर कर सकते हैं।

क्वार्टर–फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम के बाद 2–1 से जीत हासिल करके इंग्लैंड सेमी–फाइनल में पहुँचा। कुछ उतार–चढ़ाव भरे प्रदर्शन और मैनेजर थॉमस ट्यूशेल द्वारा नॉर्वे मैच के कुछ पहलुओं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के बावजूद, कोंसा ने टीम के अंदर किसी भी तरह की अनबन की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा ग्रुप बहुत अच्छा है। हम सब एकजुट हैं। कोई समस्या नहीं है। इस टूर्नामेंट में सोच सबसे अहम है। मुझे लगता है कि हमारे लिए बाहरी बातें तो होती ही रहेंगी। लेकिन आपको उन्हें नजरअंदाज करना आना चाहिए। हम लंबे समय से इस खेल से जुड़े हैंय हम जानते हैं कि इसका क्या नतीजा होता है। इंग्लैंड के डिफेंस के सामने लियोनेल मेसी को रोकना एक बड़ी चुनौती है। मेसी ने इस टूर्नामेंट में आठ गोल किए हैं और श्गोल्डन बूटश की रेस में फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे के बराबर हैं। गुएही ने मेसी के टैलेंट को माना, लेकिन यह भी कहा कि अर्जेंटीना की टीम से और भी खतरे हो सकते हैं। गुएही ने कहा कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, शायद सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक, इसलिए हम उन्हें रोकने की पूरी कोशिश करेंगे। लेकिन मैदान पर सिर्फ वही नहीं हैं। टीम में और भी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, इसलिए यह जरूरी है कि हम खुद पर ज्यादा से ज्यादा फोकस करें और अपने गेम प्लान पर अमल करें।

करनैलगंज को मिली उच्च शिक्षा की नई सौगात, तुलसी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड हेल्थ साइंसेज की रखी गई नींव

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा/करनैलगंज। करनैलगंज क्षेत्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जुड़ गई है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन काउंसिल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन के महानिदेशक एवं रजिस्ट्रार डॉ. रामजी मिश्रा ने तुलसी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड हेल्थ साइंसेज की नींव रखकर क्षेत्र के शैक्षिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. अकबाल बहादुर सिंह को कॉलेज का प्रबंध निदेशक तथा जगदंबा प्रसाद मिश्रा को निदेशक नियुक्त किया गया। दोनों के संयुक्त नेतृत्व में कॉलेज का संचालन किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने कॉलेज की स्थापना का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात बताया। वक्ताओं ने कहा कि मैनेजमेंट एवं हेल्थ साइंस जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से युवाओं को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे और क्षेत्र में शैक्षिक एवं सामाजिक विकास को गति मिलेगी। डॉ. रामजी मिश्रा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा और कौशल आधारित पाठ्यक्रम आज की आवश्यकता हैं। ऐसे संस्थान युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि तुलसी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड हेल्थ साइंसेज आने वाले समय में क्षेत्र के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में अपनी पहचान बनाएगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने कॉलेज की उन्नति एवं क्षेत्र के समग्र शैक्षिक विकास की कामना करते हुए संस्थान के सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग एवं धानेपुर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया।अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना, स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही को बढ़ावा देना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा। संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न मार्गों पर स्कूल वाहनों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच की गई।जांच के दौरान दस्तावेजों, फिटनेस, बीमा, परमिट तथा अन्य आवश्यक मानकों का गहन परीक्षण किया गया।अभियान के दौरान दो स्कूल बसें बिना वैध फिटनेस, बीमा, परमिट एवं अन्य अनियमितताओं के साथ संचालित पाई गईं। दोनों बसों को नियमानुसार धानेपुर थाने में सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न नियमों का उल्लंघन करने वाले छह स्कूल वाहनों का चालान किया गया। यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले अन्य वाहन चालकों के विरुद्ध भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की गई।संयुक्त प्रवर्तन टीम ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, वाहन के सभी आवश्यक अभिलेख अद्यतन रखने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही वाहन संचालन करने के लिए जागरूक भी किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।परिवहन विभाग एवं पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें, सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन अपनाएं तथा सड़क सुरक्षा अभियान में सक्रिय सहयोग दें।सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने,सुरक्षित यातायात व्यवस्था स्थापित करने एवं कानून का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे संयुक्त विशेष प्रवर्तन अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकली जन–जागरूकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम से दिया शिक्षा का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। प्रदेश सरकार के श्स्कूल चलो अभियानश (द्वितीय चरण) के तहत बुधवार को जनपद में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जन–जागरूकता रैली एवं सांस्तिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक बालक–बालिका का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विकास भवन परिसर से हुआ, जहां से छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जन–जागरूकता रैली निकाली। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए उत्थान ऑडिटोरियम पहुंची। यहां विद्यार्थियों ने शिक्षा के महत्व, नियमित विद्यालय उपस्थिति और शत–प्रतिशत नामांकन पर आधारित आकर्षक सांस्तिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं अतिथियों ने अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। सभी बच्चों का समय पर विद्यालय में नामांकन कराकर उन्हें नियमित रूप से स्कूल भेजें। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव है और श्स्कूल चलो अभियानश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, वित्त एवं लेखाधिकारी वीरेश वर्मा, जनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, राजकीय इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य, शिक्षक तथा करीब 400 छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का समापन शत–प्रतिशत नामांकन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। शिक्षा विभाग ने जनपदवासियों से प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने के अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की।

हल्की बारिश में तालाब बना सीएचसी मोतीपुर, जलभराव से मरीज परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/मिहींपुरवा। हल्की बारिश के बाद नगर पंचायत मिहींपुरवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोतीपुर का परिसर जलमग्न हो गया। अस्पताल में जगह–जगह गंदा पानी भर जाने से मरीजों और तीमारदारों को कीचड़ व जलभराव के बीच होकर अस्पताल पहुंचना पड़ रहा है। एम्बुलेंस और अन्य वाहनों के गुजरने से कीचड़ की छींटें लोगों पर पड़ रही हैं, जिससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में लंबे समय से जलभराव रहने के कारण दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडराने लगा है। अस्पताल परिसर में संचालित कैंटीन के संचालक रामसमुझ ने बताया कि कई दिनों से जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे मरीजों के साथ अस्पताल कर्मियों को भी परेशानी हो रही है। इलाज कराने पहुंचे शेरू खान, मनोज कुमार, अनीता देवी, राम कुमार, मोनू और अवधेश कुमार सहित कई मरीजों ने अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है और जिम्मेदार अधिकारी समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं। सीएचसी अधीक्षक महेश विश्वकर्मा ने बताया कि अस्पताल परिसर में गड्ढे होने के कारण जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि परिसर में रावि डलवाने के लिए ईंट भट्ठा संचालक से बात की गई है और एक–दो दिनों में समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने अस्पताल परिसर से जलभराव की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग करते हुए कहा कि जहां लोगों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी है, वहीं गंदगी और जलभराव के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा पैदा होना गंभीर चिंता का विषय है।

5 साल बाद भी नहीं मिली GNM की डिग्री, लाखों रुपये फीस देने वाले छात्र–छात्राओं ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के विकासखंड चित्तौरा के तैयबाजोत स्थित नंदा इंस्टीट्यूट में जीएनएम (ळछड) कोर्स में पांच वर्ष पूर्व प्रवेश लेने वाले छात्र–छात्राओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि लाखों रुपये फीस जमा करने के बावजूद अब तक उन्हें अंकपत्र और डिग्री उपलब्ध नहीं कराई गई है। प्रदर्शन कर रहे छात्र–छात्राओं का कहना है कि कोर्स पूरा होने के वर्षों बाद भी संस्थान की ओर से न तो अंकपत्र दिया गया और न ही डिग्री। उनका यह भी आरोप है कि संस्थान के प्रबंधक का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा है, जिससे उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। इससे आक्रोशित छात्र–छात्राओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा जल्द से जल्द अंकपत्र और डिग्री दिलाए जाने की मांग की। छात्र–छात्राओं ने कहा कि प्रमाणपत्र न मिलने से उनका भविष्य अधर में लटक गया है। वे न तो नौकरी के लिए आवेदन कर पा रहे हैं और न ही आगे की पढ़ाई कर पा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

विकास कार्यों की अनदेखी से वार्डवासियों में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी :हरि नारायण सिंह लोधी।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। नगर पंचायत सोनौली के वार्ड संख्या–4 में विकास कार्यों की अनदेखी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। वार्डवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में सड़क, नाली और साफ–सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति लगातार बदहाल बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो समस्याओं का समाधान किया गया और न ही विकास कार्य शुरू कराए गए।स्थानीय लोगों के अनुसार वार्ड संख्या–4 की सड़क निर्माण को लेकर कई बार नगर पंचायत में शिकायत की गई। हर बार अधिकारियों द्वारा यह कहकर आश्वासन दिया गया कि सड़क निर्माण का टेंडर हो चुका है और जल्द कार्य शुरू होगा, लेकिन आज तक मौके पर कोई काम शुरू नहीं हुआ। हाल ही में दोबारा जानकारी लेने पर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला।वार्डवासियों का कहना है कि जगह–जगह जलभराव, टूटी सड़कें और गंदगी के कारण लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। उनका आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि धरातल पर कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है।स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि सोनौली स्टैंड का ठेका मनमाने ढंग से दे दिया गया, जबकि नगर पंचायत के मनोनीत सभासदों को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। एक सभासद हरिनारायण सिंह लोधी का कहना है कि नगर पंचायत में पारदर्शिता का अभाव है और शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। हरि नारायण सिंह लोधी ने नगर पंचायत प्रशासन से तत्काल सड़क निर्माण, नालियों की सफाई और अन्य विकास कार्य शुरू कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्य शुरू नहीं हुआ तो लोकतांत्रिक तरीका अपने को बाध्य होंगे।

श्रावस्ती पुलिस ने 65 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए, कीमत 16.10 लाख रुपये

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 65 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख 10 हजार रुपये है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत सर्विलांस सेल ने आधुनिक तकनीकी संसाधनों, मोबाइल प्डम्ब् ट्रैकिंग, लोकेशन और नेटवर्क डेटा के विश्लेषण के आधार पर विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों में कार्रवाई की। अभियान अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी अपराध भरत पासवान के पर्यवेक्षण में संचालित किया गया। सर्विलांस टीम के प्रयासों से बरामद सभी 65 मोबाइल फोन मंगलवार को पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके संबंधित स्वामियों को विधिवत सुपुर्द किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने श्रावस्ती पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह ने कहा कि श्रावस्ती पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर रही है। उन्होंने बताया कि सर्विलांस सेल गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी, साइबर अपराधों पर नियंत्रण तथा अपराधियों की लोकेशन ट्रैकिंग में लगातार उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से नागरिकों की खोई हुई संपत्ति वापस मिलने के साथ ही पुलिस और जनता के बीच विश्वास भी मजबूत होता है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने सर्विलांस सेल एवं जनपद के सभी थानों पर सीईआईआर (ब्म्प्) पोर्टल पर कार्यरत टीम की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षकों ने सांसद को सौंपा प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन, टीईटी विसंगतियों के समाधान की उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडियाश के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर जनपद श्रावस्ती में शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विनय पांडेय के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता एवं उससे जुड़ी विसंगतियों के विरोध में प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा को सौंपा। ज्ञापन में शिक्षकों ने मांग की कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा 23 अगस्त 2010 को निर्धारित न्यूनतम योग्यता के पैरा–4 को संसद से पारित कर शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम में शामिल किया जाए, जिससे शिक्षकों के अधिकारों और सेवा संबंधी मामलों को कानूनी सुरक्षा मिल सके। जिला अध्यक्ष विनय पांडेय ने सांसद को शिक्षकों की समस्याओं और उनसे जुड़े कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। इस पर सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा ने मांगों को उचित बताते हुए आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को संसद और प्रधानमंत्री कार्यालय तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएंगे। इस अवसर पर जिला मंत्री सत्य प्रकाश वर्मा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष हरीश कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष जनार्दन यादव, राधेश्याम सिंह कुशवाहा, उत्तम चौधरी, अनवर खान, युगल किशोर, शिवशंकर गौतम, आनंद त्रिपाठी, देवेंदु त्रिपाठी, राकेश सिंह, राकेश चौधरी, विशाल टंडन, सुनील दत्त शुक्ला, गंगाराम यादव, अनूप श्रीवास्तव, संतोष मिश्रा, अंकित श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं और संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकली जागरूकता रैली, बच्चों ने दिया शिक्षा का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद के विकासखंड जमुनहा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय खरगोरा बस्ती में उत्तर प्रदेश सरकार के श्स्कूल चलो अभियानश के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कविता श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली विद्यालय से निकलकर गांव के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां छात्र–छात्राओं ने शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए आकर्षक नारे लगाए। बच्चों ने ष्पढ़ी–लिखी माता, घर की भाग्य विधाताष् ष्आधी रोटी खाएंगे, फिर भी पढ़ने जाएंगे पढ़ेंगे–लिखेंगे, बनेंगे महान तथा हम बच्चों ने ठाना है, स्कूल हमें जाना है जैसे नारों के माध्यम से शिक्षा का संदेश दिया। प्रधानाध्यापिका कविता श्रीवास्तव ने बताया कि 'स्कूल चलो अभियान' का उद्देश्य कक्षा 1 से 8 तक के सभी बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय में नामांकन कराने और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकारी विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूता–मोज़ा, स्कूल बैग तथा मध्याह्न भोजन सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनका लाभ सभी पात्र बच्चों को मिलता है। इस अवसर पर शिक्षिका दुर्गा शुक्ला, मधु श्रीवास्तव, शिक्षक अमित सिसोदिया, जयप्रकाश द्विवेदी, पंकज मिश्रा सहित विद्यालय के छात्र–छात्राएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

यूपी पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती में बहराइच के प्रवीण शुक्ला ने हासिल की 11वीं रैंक, शनिवार को होगा सम्मान समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

विशेश्वरगंज (बहराइच)। विकासखंड विशेश्वरगंज के ग्राम एवं पोस्ट रनियापुर गोबरही निवासी प्रवीण कुमार शुक्ला ने उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस) भर्ती परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए प्रदेश में 11वीं रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। प्रवीण कुमार शुक्ला, पुत्र नान बच्चा, वर्ष 2016 से उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं। नौकरी के साथ कठिन परिश्रम, अनुशासित तैयारी और .ढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है, जिससे उन्होंने जनपद बहराइच का नाम प्रदेश भर में रोशन किया है। रघु बाबा समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष राजकुमार दूबे उर्फ गोली दूबे ने प्रवीण की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विशेश्वरगंज और बहराइच के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रवीण का संघर्ष, मेहनत और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है तथा यह साबित करता है कि निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शनिवार को रघु बाबा मंदिर परिसर में प्रवीण कुमार शुक्ला के सम्मान में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित होकर उन्हें सम्मानित करेंगे। समारोह में उनकी सफलता की कहानी को युवाओं के लिए प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

सपा प्रतिनिधि मंडल ने जनसमस्याओं के सम्बन्ध में राज्यपाल के नाम 9 सुत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी 15 जुलाई को समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री व्यास जी गौड के नेतृत्व में जनपद की मूलभूत आदिवासी एवं जन समस्याओं के संबंध में 9 सूत्री ज्ञापन महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश लखनऊ के नाम द्वारा जिलाधिकारी को दिया गया । समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री व्यास जी गौड़ ने कहा कि जनपद सोनभद्र के विधानसभा 401 रावटसगंज के विकासखंड नगवां एवं कोन ब्लॉक के तरिया क्षेत्र में भारी पैमाने पर आडानी एवं कंपनियों द्वारा आदिवासियों की जमीन व जंगल को कब्जा कर अत्याचार किया जा रहा है जिस पर रोक लगाया जाए और आदिवासियों को घर एवं जमीन से बेदखल न किया जाए ।बालू एवं पत्थर खदान में दुर्घटना में मृत्यु श्रमिकों का सीबीआई जांच कराई जाए एवं श्रमिकों का ठेकेदार द्वारा एक करोड रुपए का जीवन बीमा कराया जाए जनपद सोनभद्र बड़ा आबादी आदिवासी का है । संविधान द्वारा दिया गया आरक्षण जनजाति के संख्या के आधार पर दो प्रतिशत देने का प्रविधान है यही प्रविधान नौकरियों में भी जनजाति के लिए है जबकि पूरे प्रदेश के जनजातियों के जनसंख्या का 20: से ऊपर आबादी अकेले जनपद सोनभद्र में है । यह आंकड़ा 2011 की जनगणना के आधार पर है । इस हिसाब से भी 131 सीट कम से कम प्रधानों का बनता है और 2021 के त्रिस्तरीय पंचायत में मात्र 28 सीट प्रधान को जनजाति के

लिए आरक्षित किया गया था इसी तरह से नौकरियों में जिला पंचायत क्षेत्र पंचायत में जनजातियों के साथ आरक्षण में अन्याय हो रहा है । विधिक रूप से आरक्षण दिया जाए और धारा 20 वन भूमि पर जनजाति दलित मूल निवासी बाप दादा से जोड़कोड कर बाग बगीचा कुंआ घर मकान बनाकर मूल निवासी एवं आदिवासी आबाद है। उन्हें वन विभाग कब्जा से बेदखल एवं उत्पीड़न कर रहा है उस पर रोक लगाया जाए और अमवार कनहर परियोजना से उजड़े विस्थापित दर–दर भटक रहे हैं उन्हें बसाने की व्यवस्था की जाए । जनपद के किसानों की समस्याओं को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में यूरिया डीएपी खाद की व्यवस्था किया जाए और प्राइवेट दुकानदारों द्वारा मनमाने दाम पर किसानों को खाद दिया जा रहा है उसे पर रोक लगाया जाए । जनपद सोनभद्र में हर घर जल योजना के तहत सभी सड़कों को खोद कर छोड़ दिया गया है उसे तत्काल मरम्मत कराया जाए और समाजवादी पार्टी की सरकार में शासन एवं विधायक निधि द्वारा कराए गए कार्यों का शिलापट को हटाकर उसे नया कार्य दिखा कर शीलापट लगाया जा रहा है उसे पर तत्काल रोक लगाया जाए और जनहित में अधूरे कार्यों को पूर्ण कराया जाए इसी के साथ आदिवासी जनपद होने के कारण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अधिक विद्यालयों की आवश्यकता है लेकिन भाजपा सरकार द्वारा विद्यालय में कम बच्चे दिखाकर विद्यालयों को बंद किया जा रहा है उस पर तत्काल रोक लगाया जाए नहीं तो समाजवादी पार्टी जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष श्री राम निहोर यादव पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा राजेंद्र सिंह पटेल रमेश चंद्र दुबे रविंद्र बहादुर सिंह पटेल आजाद राय मोहम्मद शईद कुरैशी अनिल कुमार यादव रवि कुमार गौड़ विजय यादव अनिल प्रधान अशोक पटेल सरदार पारब्रह्म सिंह विजय शंकर जायसवाल बबलू धागर अवध नारायण यादव जुबेर आलम डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल त्रिपुरारी गौड़ डॉ केडी सिंह पटेल सत्यम पांडे रानी हिदायत उल्ला खान प्रमोद विनीत सरोज सूरज मिश्रा कामरान खान प्रेमचंद राजेश गौड़ विवेक पटेल विमलेश पटेल राजेश अमृत लाल यादव के साथ सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रॉबर्ट्सगंज में बरसात का जलभराव होगा खत्म, 23.62 करोड़ से बनेगा 4.46 किमी लंबा नाला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए 23.62 करोड़ रुपये की लागत से 4.46 किलोमीटर लंबे नाले के निर्माण को स्वी.ति प्रदान कर दी गई है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर तैयार की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना से नगर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है। दरअसल, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने इमरती कॉलोनी, हाईवे के सामने पुसौली–बढ़ौली चौराहा और मिशन अस्पताल के आसपास जलभराव की समस्या का स्वयं निरीक्षण किया था। स्थानीय लोगों ने बरसात के समय होने वाली भारी परेशानी से अवगत कराया, जिसके बाद जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन (शहरी) के अधिकारियों की टीम गठित कर वैज्ञानिक आधार पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर के लिए विस्तृत फिजिबिलिटी स्टडी और ड्रेनेज डिजाइन तैयार कराया गया। अध्ययन के दौरान स्थल निरीक्षण, लेवल सर्वे, हाइड्रोलॉजी, कंटूर मैप, सैटेलाइट सर्वे तथा पिछले 30 वर्षों के वर्षा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। तकनीकी विशेषज्ञों ने नगर के लिए तीन संभावित ड्रेनेज मार्गों का परीक्षण किया। पहला विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से चुर्क रोड मार्ग था, जिसे तकनीकी रूप से अनुपयुक्त पाया गया क्योंकि इस मार्ग पर भूमि का स्तर आगे बढ़ने के साथ ऊंचा होता जाता है। ऐसे

में वर्षा जल का प्रा.तिक प्रवाह संभव नहीं होने के कारण पूरे मार्ग पर पंपिंग सिस्टम लगाना पड़ता, जो अत्यधिक खर्चीला और अव्यावहारिक है।

दूसरे विकल्प के रूप में पुसौली पोखरा मार्ग का परीक्षण किया गया, लेकिन रेलवे लाइन पार करने के बाद वर्षा जल के निकास के लिए कोई प्रा.तिक आउटफॉल नहीं मिलने से इसे भी तकनीकी रूप से अस्वीकार कर दिया गया। अध्ययन में तीसरा विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से कचहरी ड्रेन रूट सबसे उपयुक्त और व्यवहारिक पाया गया। इस मार्ग पर भूमि का प्रा.तिक ढाल नीचे की ओर होने से बिना किसी पंपिंग व्यवस्था के वर्षा जल आसानी से बह सकेगा। प्रस्तावित नाले से वर्षा जल कचहरी ड्रेन होते हुए सजौर पोखरा के पास स्थित मुख्य सिंचाई नाले में पहुंचेगा, जिससे नगर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। प्रस्तावित परियोजना के तहत लगभग 4,461 मीटर (4.46 किलोमीटर) लंबा आरसीसी नाला बनाया जाएगा। इसके साथ आवश्यक कल्वर्ट, रेलवे एवं नहर क्रॉसिंग, साइफन निर्माण, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर शिटिंग तथा पेयजल पाइपलाइन के स्थानांतरण जैसे सभी जरूरी कार्य भी किए जाएंगे। परियोजना की मूल निर्माण लागत 17.95 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि डिजाइन, वेटिंग शुल्क, श्रम उपकर, जीएसटी और अन्य प्रभारों सहित कुल लागत 23.62 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। तकनीकी विशेषज्ञों ने अपनी रिपोर्ट में कचहरी ड्रेन रूट को रॉबर्ट्सगंज के लिए एकमात्र दीर्घकालिक एवं वैज्ञानिक समाधान बताते हुए इसी एलाइनमेंट पर अंतिम डिजाइन तैयार कर परियोजना को आगे बढ़ाने की संस्तुति की है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि नगरवासियों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी अध्ययन के आधार पर तैयार इस परियोजना को शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि भविष्य में रॉबर्ट्सगंज नगर को आधुनिक और सु.ढ़ जलनिकासी व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके।

विद्यालय के प्रवेश द्वार पर गंदगी का अंबार नाक बंद कर गेट पार करने को मजबूर छात्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर, स्थानीय विकासखंड के ग्राम पंचायत सांगोबांध

बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के पास गंदगी का अंबार लगने से छात्र–छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय के गेट के ठीक बगल में बाजार का कचरा, प्लास्टिक, सड़े–गले फल, जूठन और अन्य अपशिष्ट फेंके जाने से वहां कूड़ाघर जैसी स्थिति बन गई है। छात्रों ने बताया कि दुर्गंध इतनी तेज रहती है कि उन्हें नाक बंद कर विद्यालय में प्रवेश करना पड़ता है। छुट्टी के समय भी इसी दुर्गंध के बीच बाहर निकलना पड़ता है। इससे स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में पढ़ाई करने का अधिकार प्रभावित हो रहा है तथा संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। छात्रों और ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए विद्यालय के गेट के पास जमा कूड़े को तत्काल हटाने तथा भविष्य में वहां कचरा फेंकने पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि विद्यालय के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखना बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा, दोनों के लिए जरूरी है।मामले को लेकर एडीओ पंचायत अजय सिंह ने बताया कि गेट के पास अगर गंदगी है तो उसे तत्काल साफ करवा दिया जाएगा।

मतदान केन्द्रों के 21 प्रस्तावों में 8 मंजूर, 13 निरस्त, 18 जुलाई तक होगा अंतिम प्रकाशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों एवं

मतदेय स्थलों के आलेख्य प्रकाशन के संबंध में बुधवार को सांसद, विधायकों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 1,563 मतदान स्थल और 973 मतदान केन्द्र निर्धारित हैं। राजनीतिक दलों की ओर से कुल 21 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें जांच के बाद 8 प्रस्ताव स्वी.त और 13 प्रस्ताव आयोग के मानकों पर खरे न उतरने के कारण निरस्त कर दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी दलों से अगले दो दिनों के भीतर यदि कोई सुझाव या आपत्ति हो तो लिखित रूप से उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि परीक्षण के बाद 18 जुलाई तक मतदान केन्द्रों एवं मतदेय स्थलों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

एसपी ने नगर सर्किल का अर्दली रूम कर अपराध, जनसुनवाई, मिशन शक्ति व साइबर अपराधों की समीक्षा की

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून–व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाने तथा पुलिसिंग को प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से बुधवार रात थाना रॉबर्ट्सगंज में नगर सर्किल (थाना रॉबर्ट्सगंज एवं थाना चोपन) का अर्दली रूम आयोजित कर पुलिस कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, वाचक पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण पर्वत, थाना रॉबर्ट्सगंज एवं थाना चोपन के प्रभारी निरीक्षक, सर्किल के सभी चौकी प्रभारी तथा अन्य उपनिरीक्षक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं, प्रार्थना–पत्रों एवं जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक विवेचना निष्पक्ष, पारदर्शी एवं साक्ष्य आधारित हो तथा किसी भी मामले में अनावश्यक विलंब न किया जाए। महिला एवं बालिकाओं से जुड़े अपराधों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मिशन शक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए एसपी ने महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने, अधिक से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने तथा महिला हेल्पलाइन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को भी कहा।साइबर अपराधों की समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने साइबर फ्रॉड से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने, पीड़ितों की धनराशि शीघ्र वापस कराने, साइबर हेल्पलाइन 1930 का व्यापक प्रचार–प्रसार करने तथा आमजन को साइबर अपराधों के प्रति लगातार जागरूक करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायतकर्ता के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं अन्य ऑनलाइन पोर्टलों पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अपराध नियंत्रण के लिए वांछित अपराधियों की गिरतारी, वारंटों के तामील, निरोधात्मक कार्रवाई, हिस्ट्रीशीटरों एवं अराजक तत्वों पर सतत निगरानी रखने, नियमित रात्रि गश्त बढ़ाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्रों में कानून–व्यवस्था को हर हाल में सु.ढ़ बनाए रखा जाए और जनता में सुरक्षा का विश्वास कायम किया जाए। बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन की मंशा के अनुरूप उत.ष्ट पुलिसिंग सुनिश्चित करते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि कानून–व्यवस्था मजबूत होने के साथ जनता का पुलिस पर विश्वास और अधिक सु.ढ़ हो।

शांति भंग मे दो का चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर पुलिस ने आपसी विवाद मे दो पक्षो का शांति भंग मे चालान कर दिया। थाना प्रभारी सत्येन्द्र राय ने बताया की प्रेम नगर बस्ती निवासी सरोज पुत्र सकिचंद्र व सकिचंद्र पुत्र स्व. सूरज देव आपसी विवाद कर रहे थे। समझाने कें बावजूद दोनों उग्र होकर फिर से विवाद करने लगे। दोनों कें खिलाफ कारवाई करते हुए शांति भंग मे चालान कर दिया।

शक्तिनगर पुलिस ने 4 जुवाड़ी कों पकड़ा, नगदी बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर पुलिस ने 4 जुवाड़ी कों गिरतार कर चालान कर दिया। थाना प्रभारी सत्येंद्र राय ने बताया क्षेत्र मे चेकिंग कें दौरान राजकिशन पानी टंकी कें निचे से राजकिशन कालोनी निवासी बहादुर कुमार पुत्र मधुदेव, शंकर मार्केट जयंत निवासी पिंटू कुमार अग्रहरी पुत्र मुन्ना लाल,आशीष अग्रहरी पुत्र राजेश अग्रहरी व खड़िया बाजार निवासी अक्षय कुमार पुत्र शम्भू पटेल कों गिरतार कर 25 तास कें पत्ते कें साथ 7900 रुपये भी बरामद हुआ हैं। बताया की चारों कों गिरतार कर सार्वजनिक जुआ अधिनियम मे कारवाई की गयी हैं।

फांसी के फंदे से झूलता मिला किशोर का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीना चौकी क्षेत्र अंतर्गत चंदुआर गांव कें एक घर कें कमरे मे बुधवार दोपहर 14 वर्षीय किशोर ने दरवाजा बंद कर पाइप मे दुप्पटे कें सहारे फांसी कें फंदे से झूल कर जान दें दी।किसी प्रकार घर कें परिजनों ने बाहर से आवाज देने पर ज़ब कोई आवाज ने आयी तो दरवाजा तोड़ कर देखा तो चंदुआर निवासी शराफत अली पुत्र रसीद फांसी के फंदे से झूला हुआ था। आनन फानन में लोगों ने झूलते हुए शव को नीचे उतार अटल अस्पताल बीना में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बीना चौकी प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि परिजनों कें मुताबिक मृतक किशोर बकरी चरा कर घर आया था कि अज्ञात कारणों से फांसी लगा लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जाँच मे जुटी हुई हैं।

दूसरे दिन भी मुंह पर टेप लगाकर धरना जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एनसीएल एनसीएल बीना परियोजना महाप्रबंधक

कार्यालय के समीप मंगलवार से चल रहे विस्थापित युवा कल्याण समिति के बैनर तले लोगों ने दूसरे दिन भी मुंह पर टेप लगाकर धरना जारी रखा।राजन भारती ने बताया की मंगलवार को सुबह से ही कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर साथियों के साथ धरना प्रदर्शन जारी रखा लेकिन प्रबंधन व प्रशासन द्वारा किसी भी तरह का हलचल नहीं दिखाई दिया। प्रबंधन के साथ प्रशासन को दिए पत्र में आरोप लगाया कि एनसीएल बीना खदान में कार्य कर रही कंपनियों द्वारा संविदा मजदूर का वेतन कटौती, बोनस के साथ अवकाश,ओवरटाइम के भुगतान के साथ अटल अस्पताल में निशुल्क दवा एंबुलेंस एवं प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाओं की मांग की है। धरना पर बैठे लोगों ने जमकर आक्रोश जताते हुए मुंह पर टेप लगाकर शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन चालू रखा। आरोप लगाते हुए कहा कि एनसीएल बीना परियोजना के प्रबंधन द्वारा अवैध तरीके से सरकारी क्वार्टर को भाड़े पर संचालन करने की भी बात पत्र में कहा गया। दूसरे दिन भी बुधवार को धरना रहा।

सिविल सर्विसेज चयन/ट्रायल में प्रतिभाग करने के लिए सरकारी कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय, लखनऊ के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026–27 में आयोजित होने वाले सिविल सर्विसेज चयन/ट्रायल में प्रतिभाग के लिए जनपद के पात्र सरकारी कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह चयन प्रक्रिया जिला, मंडल एवं प्रदेश स्तर पर आयोजित की जाएगी। जिला क्रीड़ा अधिकारी समीम अहमद ने बताया कि भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार केवल पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी ही इस प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र होंगे। परिषद, बोर्ड, नगर निगम, पंचायत, पुलिस विभाग के कुछ स्वायत्त निकायों तथा ऑटोनॉमस संस्थाओं के कर्मचारी इसमें पात्र नहीं होंगे। चयन प्रक्रिया जिला स्तरीय चयन समिति की देखरेख में संपन्न कराई जाएगी। जिला स्तरीय ट्रायल का आयोजन 06 अगस्त, 2026 को जिला खेल कार्यालय स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम, सोनभद्र में किया जाएगा। इसके बाद मंडल स्तरीय ट्रायल 12 एवं 13 अगस्त, 2026 को क्षेत्रीय खेल कार्यालय, विंध्याचल मंडल, मीरजापुर तथा प्रदेश स्तरीय ट्रायल 19 एवं 20 अगस्त, 2026 को आयोजित होंगे। चयन/ट्रायल में टेनिस, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, पावरलिटिंग, एथलेटिक्स, फुटबॉल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, क्रिकेट, हॉकी, खो–खो एवं योगासन सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतिभागी सरकारी कर्मचारी अपने विभाग से निर्धारित प्रारूप पर अनुमति प्राप्त कर आवश्यक विवरण सहित आवेदन के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होंगे। चयन/ट्रायल में भाग लेने की अवधि को ड्यूटी माना जाएगा तथा यात्रा भत्ता एवं अन्य देय भुगतान संबंधित विभाग द्वारा नियमानुसार किया जाएगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने सभी पात्र सरकारी कर्मचारियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

तुम्बाड 2 की रिलीज डेट आउट, करना होगा लंबा इंतजार, 3 दिसंबर, 2027 को सिनेमाघरों में आ रही सोहम शाह की फिल्म

फिल्ममेकर सोहम शाह की आगामी मैथोलॉजिकल हॉरर–थ्रिलर फिल्म तुम्बाड का सीक्वल यानी तुम्बाड 2 की शूटिंग शुरू हो गई है. मेकर्स ने कुछ दिन पहले ही इसकी जानकारी दी थी और मुहूर्त शॉट की कुछ बिहाइंड–द–सीन्स तस्वीरें शेयर की थी. अब, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है.

सोहम शाह की हॉरर फिल्म तुम्बाड 2018 में एक बड़ी हिट साबित हुई थी. इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे डरावनी और अनोखे ढंग से बनी हॉरर फिल्मों में से एक माना जाता है. इसकी जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

सोहम शाह ने आधिकारिक तौर पर तुम्बाड 2 की रिलीज डेट का एलान किया है. बता दें कि तुम्बाड 2 2026 में सिनेमाघरों में नहीं आएगी. इसे 2027 में रिलीज किया जाएगा.

सोहम शाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तुम्बाड 2 का एक नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट भी बताई गई है. मेकर्स ने इस हॉरर फिल्म की ग्रैंड रिलीज के लिए 3 दिसंबर, 2027 की तारीख तय की है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक गुनाहों भरा अतीत, एक मनहूस भविष्य. भूख बढ़ रही है, लालच की विरासत जारी है. अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर लेंरू तुम्बाड 2 आ रही है 3. 12. 2027 को.

इसी महीने की शुरुआती हफ्ते में मेकर्स ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया था और फैंस को गुड न्यूज देते हुए बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है. मोशनल पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद और कृतज्ञता के साथ, तुम्बाड 2 का सफर शुरू होता है. हम सब मिलकर इस कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आए हैं.

तुम्बाड 2 के साथ, मेकर्स इसकी कहानी का दायरा को और बड़ा करने की सोच रहे हैं, लेकिन वे फिल्म के ओरिजिनल अंदाज को भी जोड़े रखना चाहते है, जिसने पहली हॉरर फिल्म को सबसे अलग और देखने लायक बनाया था.

रिपोर्ट के अनुसार, तुम्बाड 2 में सोहम शाह के साथ मुख्य भूमिका में नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे. आदेश प्रसाद, जो तुम्बाड के सह–निर्देशक थे, इस सीक्वल का निर्देशन कर रहे हैं. सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म 3 दिसंबर को 2027 में सिनेमाघरों में दर्शकों को एंटरटेन करने उतरेगी.

लाल जोड़े में मोनालिसा ने ढाया कहर, बोल्ड ब्राइडल फोटोशूट ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

भोजपुरी क्वीन और टेलीविजन स्टार मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और दिलकश ब्राइडल फोटोशूट शेयर किया है। सुर्ख लाल रंग के पारंपरिक लहंगे और डीप–नेक

ब्लाउज में वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। हेवी कुंदन ज्वेलरी, नथ और मांगटीके के साथ उनके कातिलाना फेशियल एक्सप्रेशन्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है। इंटरनेट पर उनका यह बोल्ड ब्राइडल लुक तेजी से ट्रेंड कर रहा है।

भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक अपनी पहचान बना चुकी मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्ड अदाओं से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। मोनालिसा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पारंपरिक दुल्हन के अवतार में अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं।

तस्वीरों में मोनालिसा का ग्लैमर और देसी अंदाज इस कदर निखर कर आ रहा है कि देखने वाले अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक शाही लाल रंग का ब्राइडल लहंगा चुना है।

मोनालिसा ने लहंगे के साथ मैचिंग डीप–नेकलाइन सिल्क ब्लाउज कैरी किया है, जिसपर गोल्डन जरी और फ्लोरल कढ़ाई का बारीक काम किया गया है। इसके साथ उन्होंने सिर पर लाल रंग का नेट दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर सुनहरी बूटी और हैवी गोटा–पट्टी बॉर्डर है। तस्वीरों में मोनालिसा की अदाएं और उनके सेक्सी पोज फैंस के दिलों पर छुरियां चला रहे हैं। कुछ तस्वीरों में वह शर्माती हुई नीचे की ओर देख रही हैं, तो कुछ में वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी कातिल मुस्कान बिखेर रही हैं।

अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए मोनालिसा ने परफेक्ट ग्लैम ब्राइडल मेकअप चुना है। स्मोकी आिज, विंग्ड आईलाइनर और मस्कारा के साथ उनकी आंखें बेहद नशीली लग रही हैं। डार्क रेड लिपस्टिक उनके पूरे चेहरे को ग्लोइंग बना रही है।

ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल ब्राइडल लुक को पूरा करने के लिए हैवी कुंदन और गोल्ड ज्वेलरी कैरी की है। उनके माथे पर सजी खूबसूरत शीशपट्टी और मांगटीका, कानों में बड़े झुमके, गले में मैचिंग हेवी चोकर नेकलेस और लेयर्ड रानी हार उनके रॉयल लुक को निखर रहे हैं।

धमाल 4 ने चौथे दिन कर डाली बंपर कमाई, वर्ल्डवाइड पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, अल्फा दूसरे हफ्ते में मुंह के बल गिरी

अजय देवगन की कॉमेडी ड्रामा फिल्म धमाल 4 कारोबारी दिनों में दस्तक दे चुकी है। जैसा कि उम्मीद की जा रही थी, इसने चौथे दिन भी शानदार कारोबार किया है और 70 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम अपनी झोली में बटोर ली है। फिल्म का खुमारा लोगों पर किस कदर चढ़ा है, यह इसके कलेक्शन से साफ पता चलता है। इस तूफानी कमाई से धमाल 4 ने पिछली कई फिल्मों को धूल चटा दी है। आइए देखें इसका ताजा कलेक्शन।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन (सोमवार को) 8.75 करोड़ रुपये कमाए हैं।

आमतौर पर फिल्में कारोबारी दिनों में आकर पस्त हो जाती हैं, लेकिन धमाल 4 ने दिखा दिया कि वह अभी घुटने टेकने वाली नहीं है।

इसका कुल नेट कलेक्शन अब 73.75 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि वर्ल्डवाइड इसने 102.83 करोड़ रुपये कमाए हैं। जल्द ही यह शाहिद कपूर अभिनीत फिल्म ओ रोमियो (83.35 करोड़ रुपये) को मात देने वाली है।

आलिया भट्ट, शरवरी वाघ और बॉबी देओल जैसे कलाकारों वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा दूसरे हफ्ते में आकर बॉक्स ऑफिस से गायब होने लगी है।

इसने रिलीज के 11वें दिन, यानी सोमवार को कुल 75 लाख रुपये कमाए हैं, जिसके बाद इसका कुल नेट कलेक्शन 54.35 करोड़ रुपये हुआ है।

दूसरी ओर, अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल ने 18वें दिन महज 55 लाख रुपये कमाए। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुल 130.10 करोड़ रुपये कमा सकी है।

प्रभास और तृप्ति डिमरी की फिल्म की रिलीज डेट आई सामने, अगले साल देगी दस्तक

पैन स्टार प्रभास की फैन फॉलोइंग बहुत तगड़ी है. उनकी फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. हाल ही में उनकी आने वाली फिल्म स्पिरिट से उनका पोस्टर रिलीज किया गया था. पोस्टर में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आ रही थीं. पोस्टर देखने के बाद फैंस को इस फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बहुत बढ़ गई थी. वो फिल्म की रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. अब ये इंतजार भी खत्म हो गया है और स्पिरिट की रिलीज डेट सामने आ गई है.

स्पिरिट को संदीप रेड्डी वांगा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म को टी–सीरीज ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म के प्रोड्यूसर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके रिलीज डेट की जानकारी दी ह. स्पिरिट को देखने के लिए फैंस को अभी एक साल का इंतजार करना पड़ेगा.

टी–सीरीज ने स्पिरिट का ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर शेयर किया है. जिस पर रिलीज डेट लिखी हुई है. पोस्टर पर लिखा है– स्पिरिट 5 मार्च 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी. ये पोस्ट शेयर करते हुए लिखा– रिमेंबर. स्पिरिट की रिलीज डेट आते ही फैंस से इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर प्रिडिक्शन करना शुरू कर दिया है.

स्पिरिट के पोस्टर पर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा– 1800 करोड़. दूसरे ने लिखा–संदीप रेड्डी वांगा, नाम ही काफी है. एक ने लिखा– इतना लेट क्यों. वहीं दूसरे ने लिखा– ब्लॉकबस्टर लोडिंग.

फिल्म का फर्स्ट लुक 1 जनवरी, 2026 को न्यू ईयर के मौके पर रिलीज किया गया, जो तुरंत वायरल हो गया था.पोस्टर में प्रभास एक दमदार अवतार में दिखे, लंबे बाल, चोट के निशान और इंटेंस लुक के साथ. जबकि तृप्ति डिमरी उनकी सिगरेट जला रही थीं. इस रॉ विजुअल टोन ने साल की शुरुआत में ही दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दीं है. अब फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है.

संगीत से बढ़ सकती है आपकी उत्पादकता, जानिए यह कैसे है मददगार

संगीत हमारे जीवन का अहम हिस्सा है, जो केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है। यह न केवल हमें आनंदित करता है, बल्कि हमारी उत्पादकता को भी बढ़ा सकता है। सही प्रकार का संगीत सुनने से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। आज हम जानेंगे कि कैसे संगीत हमारी उत्पादकता को बढ़ा सकता है और किन तरीकों से इसे अपने जीवन में शामिल किया जा सकता है।

काम करते समय सही धुन चुनें

काम करते समय सही धुन चुनना बहुत जरूरी है। धीमी और शांत धुन, जैसे शास्त्रीय या हल्के संगीत आपके दिमाग को शांत करते हैं और आपको अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं।

तेज और ऊर्जा से भरपूर धुन आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे आप अधिक उत्साहित महसूस करते हैं। इस प्रकार की धुन आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

ध्यान लगाएं

ध्यान लगाने के लिए भी संगीत का उपयोग किया जा सकता है। कुछ विशेष प्रकार की धुनें, जैसे ध्यान संगीत या तरंग थेरेपी आपके मन को शांत करती हैं और ध्यान लगाने में मदद करती हैं।

इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अधिक फोकस होकर काम कर पाते हैं।

इस प्रकार की धुन सुनने से आपके दिमाग की क्षमता बढ़ती है और आप अपने कार्यों में अधिक समर्पण और ध्यान लगा पाते हैं।

तनाव कम करें

संगीत सुनने से तनाव कम करने में भी मदद मिलती है। जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों तो कुछ मिनट के लिए आरामदायक धुन सुनना आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और आपको शांत महसूस करवा सकता है।

इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से कर पाते हैं। यह तरीका न केवल आपको मानसिक शांति देता है, बल्कि आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

रचनात्मकता बढ़ाएं

रचनात्मक कार्यों के लिए भी संगीत बहुत अहम होता है।

अगर आप कोई रचनात्मक कार्य कर रहे हों, जैसे कि लेखन, चित्रकारी या संगीत रचना आदि तो बैकग्राउंड में संगीत सुनने से आपकी रचनात्मकता बढ़ती है और नए विचार आते रहते हैं।

इससे आपका काम ज्यादा आसानी से हो जाता है। सही प्रकार की धुन आपके मनोबल को बढ़ाती है और आपको प्रेरित करती है, जिससे आप अपने कार्य में पूरी तरह से डूब जाते हैं।